मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | मुरैना, मंगलवार 17 नवंबर 2026 | वर्ष-01, अंक-17, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्यौहारी में 357.71 करोड़ रुपये के 82 विकास कार्यों की दी सौगात

शहडोल में बनेगा नया इंडस्ट्रियल पार्क : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के महान क्रांतिकारी और जननायक बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अपने संघर्ष से तत्कालीन ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी। वे जल, जंगल और जमीन के लिए अपने कार्यों के आधार पर पूज्यनीय हो गए। वीर नायक भगवान बिरसा मुंडा ने देश और समाज के लिए अपना बलिदान दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देशभर में बिरसा मुंडा जी की जयंती, राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। अब 15 नवंबर की तिथि राष्ट्रीय गौरव का दिन बन चुकी है। भगवान बिरसा मुंडा सहित अनेक जनजातीय नायकों ने देश की आजादी के लिए जनजातीय क्षेत्रों में अलख जगाई, लेकिन देश की आजादी के बाद आई सरकारों ने हमारे जनजातीय महापुरुषों के योगदान को भुला दिया। मुख्यमंत्री डॉ.



यादव ने ब्यौहारी में आयोजित जनजातीय गौरव सप्ताह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में देश के 8 से 10 राज्यों से कोल समाज के भाई-बहन बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, सीधी लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के 10 हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। हितग्राहियों को चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजस्व विभाग के अंतर्गत स्वामित्व योजना के तीन हितग्राहियों संजीव गोंड, रतन गोंड एवं नन्दलाल गोंड को स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए। स्वरोजगार योजना के तहत हितग्राही जग्गू बैगा को 20 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सामुदायिक वन संसाधन (एफआरए) के अंतर्गत ग्राम नवगांव के जनकधारी सिंह और मनीष सिंह गोंड को वनाधिकार अधिनियम के तहत अधिकार पत्र प्रदान किए गए। आजीविका मिशन के अंतर्गत देवा परसापारा सामुदायिक समूह की हितग्राही कविता कोल एवं गुड़िया कोल को बीपीएल योजना के तहत 3-3 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया अनावरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण कर तथा आदि पूजा के साथ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इससे पहले जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं, जीवनशैली और वीरता की गाथाओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल जिले को 357.71 करोड़ रुपये के 82 विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के अंतर्गत स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 8.64 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 10 विकास कार्यों का लोकार्पण किया तथा 349.07 करोड़ रुपये लागत के 72 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

रिजिजू ने राहुल गांधी को दिए सात सुझाव, बोले....

खुद का मजाक बनवाया, देश को भी शर्मिंदा कराया'

एजेन्सी, नई दिल्ली



केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने सात ऐसी बिना मांगी सलाह दी हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि इनसे कांग्रेस को जनता का भरोसा फिर से जीतने में मदद मिल सकती है। एक्स पर एक पोस्ट में, रिजिजू ने लिखा, 'पहले तो उन्होंने खुद का मजाक बनवाया और साथ ही देश को भी शर्मिंदा किया।' इसके बाद उन्होंने कांग्रेस नेता को कुछ सुझाव दिए। रिजिजू ने कहा, 'मैं एक बार फिर बिना मांगे सलाह दे रहा हूं। अगर राहुल गांधी ये काम करें, तो कांग्रेस लोगों का कुछ भरोसा फिर से जीत सकती है।'

रिजिजू ने क्या सलाह दी?

1. भारत में अधिक समय बिताएं और बार-बार चुपके से विदेश यात्राओं पर जाने से बचें।
2. वरिष्ठों का सम्मान करें और बुजुर्गों से बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त करें, जो कि भारतीय परंपरा है।
3. भारत-विरोधी लोगों से न मिलें और उनके एजेंडे को बढ़ावा देना बंद करें।
4. भाजपा, आरएसएस और मोदी जी के प्रति गहरी नफरत खत्म करें। भाजपा को अपना राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानें, दुश्मन नहीं।
5. संसद को अधिक गंभीरता से लें और सांसदों को बहसों और चर्चाओं में भाग लेने दें।
6. भारत के संविधान का सम्मान करें और संवैधानिक संस्थाओं का आदर करें।
7. कांग्रेस पार्टी को एक लोकतांत्रिक दल के रूप में काम करने दें और परिवारवादी राजनीति को खत्म करें।

5 दिन पहले कुलगाम में जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे

CRPF पर हमला करने वाले 2 आतंकियों का एनकाउंटर: एक लश्कर कमांडर

एजेन्सी, श्रीनगर

CRPF पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे।

कश्मीर जोन पुलिस ने पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। सुरक्षा एजेंसियों ने उमर की लाश बरामद कर ली है, लेकिन लतीफ की बॉडी नहीं मिली है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में लतीफ के घायल होने और छिपे होने की खबर है। सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की



जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुड़भेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एनकाउंटर साइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में आतंकियों के हमले में CRPF के तीन जवान घायल हुए थे। इसके बाद से सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में बड़ा अभियान जारी है। आतंकी हमले का CCTV फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें हमलावर 15 सेकेंड के अंदर करीब 30 राउंड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो और राकेश दास के तौर पर हुई है। तीनों CRPF की 46वीं बटालियन में तैनात हैं।

यूक्रेन का रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला

1300 से ज्यादा ड्रोन तेल रिफाइनरियों और अहम ठिकानों पर दागे



एजेन्सी, कीव/मॉस्को

यूक्रेन ने सोमवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस ने बताया कि यूक्रेन ने उसके तेल रिफाइनरियों और दूसरे अहम ठिकानों को निशाना बनाते हुए 1336 ड्रोन दागे।

रॉयटर्स के मुताबिक, रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने दावा किया कि उसने सभी ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। ससे पहले 29 अक्टूबर को यूक्रेन ने रूस पर बड़ा ड्रोन हमला किया था। तब रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने एक ही रात में 1254 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। यूक्रेन ने उस वक्त रूस के 19 क्षेत्रों में हमले किए थे। इस हमले में रूस के बेलगोरोद इलाके में एक व्यक्ति की मौत हुई और 7 लोग घायल हुए थे। हमले के बाद मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि राजधानी के आसमान में अकेले 613 यूक्रेनी ड्रोन देखे गए थे। सुरक्षा के चलते मॉस्को के तीन एयरपोर्ट पर करीब दो घंटे तक उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी थी।

यूक्रेन ने हाल के दिनों में लंबी दूरी तक हमला करने वाले ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाया है। रूस के अलावा क्रीमिया, ब्लैक सी और एजोव सी में भी हमले तेज किए गए हैं। हाल के कुछ अभियानों में 1000 से ज्यादा ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। AP के मुताबिक, फरवरी 2022 में रूस के हमले के साथ शुरू हुई जंग के बाद सोमवार को हुए हमले को यूक्रेन का सबसे बड़ा हवाई हमला माना जा रहा है।

कैग रिपोर्ट में खुलासा- जांच में चूक

हॉलमार्क वाला सोना शुद्ध ही है, गारंटी नहीं 2024-25 में 81% ज्वेलर्स की सालाना जांच नहीं हुई



एजेन्सी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी सरकारी ऑडिट संस्था कैग ने सोने की शुद्धता की जांच करने वाली सरकारी संस्था इक्र के कामकाज की जांच की है। इसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इक्र बाजार में बिक रहे हॉलमार्क सोने की शुद्धता पर ठीक से नजर नहीं रख पा रहा है। इससे आम ग्राहकों से धोखाधड़ी होने का खतरा बढ़ गया है।

नियम के मुताबिक, BIS को सालमें कम से कम एक बार ज्वैलर्स की दुकानों पर जाकर यह जांचना होता है कि वे वाकई शुद्ध सोना बेच रहे हैं या नहीं। लेकिन पिछले 5 सालों (2020-21 से) में बीआईएस 80% से ज्यादा रजिस्टर्ड ज्वैलर्स की दुकानों पर जांच के लिए गया ही नहीं। कैग की ड्राफ्ट रिपोर्ट में ये सवाल उठाए गए हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय से अंतिम प्रतिक्रिया मिलने के बाद इसे संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है।

इस लापरवाही के पीछे के 3 कारण

सिर्फ लाइसेंस बंटे, निगरानी नहीं हुई: देश के 392 जिलों में बिना हॉलमार्क वाला सोना बेचना गैरकानूनी है, इसलिए करीब 2.3 लाख ज्वैलरी शॉप ने बीआईएस में रजिस्ट्रेशन कराया है। साल 2024-25 में कुल लाइसेंसधारक 28,865 थे, जिनमें 5,444 की ही जांच हुई, यानी करीब 81% दुकानदारों को किसी ने चेक ही नहीं किया।

जांच केंद्रों (एएचसी) की भी अनदेखी: जहां गहनों की शुद्धता परख कर उन्हें 6 अंकों का खास नंबर (एचयूआईडी) दिया जाता है, उनकी निगरानी में भी बीआईएस लक्ष्य से करीब 44% पीछे रहा।

बीआईएस की सफाई- कर्मचारियों की कमी है: जब कैग ने इस लापरवाही पर सवाल पूछा, तो बीआईएस ने कहा कि उनके पास कर्मचारियों की कमी है। दूर-दराज के इलाकों से सैंपल लाना मुश्किल होता है। हालांकि, कैग ने इस बहाने को मानने से इनकार कर दिया है।

भारत से प्रत्यर्पण को लेकर तनाव

शेख हसीना के गृहनगर गोपालगंज में हिंसा भड़की

एजेन्सी, ढाका



बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के गृहनगर गोपालगंज में रविवार को हिंसा भड़क गई। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बख्तरबंद गाड़ी में आग लगा दी और एक पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की।

उन्होंने पुलिस के बैरिकेड तोड़कर शहर की कई सड़कों पर कब्जा कर लिया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तलवारें और भाले भी थे। इस दौरान उन्होंने 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिरने की याद में बनाया गया स्मारक भी तोड़ दिया। गोपालगंज को शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का मजबूत गढ़ माना जाता है। यहां हिंसा ऐसे समय हुई है, जब हसीना ने बांग्लादेश लौटने का ऐलान किया है। वे अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद अपनी सरकार गिरने पर भारत आ गई थीं। तब से भारत में ही रह रही हैं। 79 साल की शेख हसीना जुलाई से कई बार कह चुकी हैं कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उन्होंने कहा है कि मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगी।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में हसीना को प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के मामले में दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी।

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने बताई चुनौतियां

अब जमीन-हवा और समुद्र में नहीं लड़ी जाती जंग'

एजेन्सी, नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने सोमवार को कहा कि पिछले चार दशकों में भारतीय नौसेना में बहुत बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि यह बल ₹आज के युद्धों के लिए तैयार₹ है और साथ ही भविष्य के संघर्षों के लिए भी सक्रिय रूप से तैयारी कर रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0' को संबोधित करते हुए, एडमिरल स्वामीनाथन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हाल के वर्षों में तेजी से होते भू-राजनीतिक बदलावों और तकनीकी उपलब्धियों ने संघर्ष के स्वरूप को पूरी तरह से बदल दिया है।

नौसेना प्रमुख ने क्या कहा?

नौसेना प्रमुख ने कहा, 'पिछले चार दशकों में बहुत कुछ बदल गया है। बल्कि मैं तो कहूंगा कि पिछले पांच वर्षों में ही बहुत कुछ बदल गया है, क्योंकि पिछले चार-पांच वर्षों में भू-राजनीति जिस तेजी से बदली है, वह वाकई चौंकाने वाली है। युद्ध के हर क्षेत्र में तकनीक कई रूपों में सामने आई है, और इस वजह से युद्ध और युद्ध-शैली का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है।

आधुनिक संघर्षों में शामिल पक्षों के बढ़ते दायरे पर क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'किसी भी तरह के संघर्ष में शामिल पक्षों की संख्या काफी बढ़ गई है। इसमें राज्य और गैर-राज्य पक्षों के साथ-साथ कई तरह के अन्य लोग भी शामिल हैं। ऐसा 'प्रौद्योगिकियों के लोकतंत्रीकरण' की प्रक्रिया के कारण हुआ है।'

उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया के आपस में जुड़े होने और पिछले तीन-चार दशकों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों की मुख्य विशेषता रहे वैश्वीकरण के कारण, आज बहुत सस्ती, बेहद शक्तिशाली और बहुउपयोगी तकनीकें आसानी से बाजार में



उपलब्ध हैं, जिन्हें कोई भी खरीद सकता है। पूंजी, पैसा, लोग और तकनीकें दुनिया के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आसानी से पहुंच सकती हैं। यही वजह है कि ये तकनीकें किसी के भी (चाहे वे अच्छे लोग हों या बुरे) खरीदने के लिए आसानी से उपलब्ध हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि नए हथियारों की भारी उपलब्धता ने युद्ध को कहीं अधिक जटिल बना दिया है।

संघर्ष और जटिल कैसे हो गए हैं?

एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा, 'युद्ध अब सभी क्षेत्रों में फैल गया है। पारंपरिक रूप से हम कहते थे कि हम समुद्र, जमीन और हवा में लड़ते हैं। लेकिन अब हमने अपनी शब्दावली में तीन और आयाम जोड़ लिए हैं: हम साइबर क्षेत्र में लड़ते हैं, अंतरिक्ष में लड़ते हैं, और 'कॉग्निटिव' (संज्ञानात्मक/मानसिक) क्षेत्र में भी लड़ते हैं। इसके अलावा, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि हम इलेक्ट्रोमैग्नेटिक क्षेत्र में भी लड़ते हैं।'

उन्होंने कहा, 'युद्ध अब हर तरह के क्षेत्रों में फैल गया है, तकनीकें दुनिया के हर कोने तक पहुंच गई हैं, और इस वजह से यह कहीं अधिक जटिल और तेज हो गया है।' सैन्य अभियानों में अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए, एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि निगरानी उपग्रहों की तैनाती ने आधुनिक युद्धक्षेत्र को लगभग पारदर्शी बना दिया है।

उन्होंने कहा, 'चूंकि सेनाओं के हर काम में अंतरिक्ष एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, इसलिए युद्धक्षेत्र लगभग पारदर्शी हो गया है। दुनिया भर में पृथ्वी पर नजर रखने के लिए तैनात किए गए निगरानी उपग्रहों की संख्या चौंकाने वाली है, और इसने युद्धक्षेत्र की पारदर्शिता को काफी बढ़ा दिया है। इसलिए, मैं कहूंगा कि इसमें बहुत बड़ा बदलाव आया है।'

अपनी चार दशकों की सेवा पर चर्चा करते हुए, एडमिरल स्वामीनाथन ने हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात भारतीय नौसेना के बेड़े की क्षमताओं में आए भारी उछाल के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इसी तरह की प्रगति पूरे भारतीय सशस्त्र बलों में भी देखने को मिल रही है।

आशा कार्यकर्ताओं की भर्ती 15 जनवरी 2027 तक पूर्ण करने के निर्देश, विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की भी समीक्षा

एनसीएएचपी से अनुमोदित पाठ्यक्रम इसी शैक्षणिक सत्र से हों प्रारंभ : उप मुख्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज मंत्रालय में आयोजित बैठक में विभागीय गतिविधियों एवं महत्वपूर्ण निर्णयों की समीक्षा की। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों एवं तकनीकों के अनुरूप युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अलाइड एंड हेल्थकेयर आयोग (एनसीएएचपी) से अनुमोदित पाठ्यक्रम इसी शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में इन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रगति की समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अलाइड एंड हेल्थकेयर क्षेत्र में आधुनिक तकनीक एवं चिकित्सा पद्धतियों के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना आवश्यक है। इससे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को दक्ष एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होगा तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने पाठ्यक्रमों के प्रभावी संचालन तथा निर्धारित समय-सीमा में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आशा कार्यकर्ताओं की भर्ती प्रक्रिया 15 जनवरी तक पूर्ण करें उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में आशा कार्यकर्ताओं की भर्ती की प्रगति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है तथा इसके लिए आगामी 16 दिसंबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद जिला स्तर पर चयन एवं नियुक्ति संबंधी समस्त कार्यवाही निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाए। आशा कार्यकर्ताओं की भर्ती



की संपूर्ण प्रक्रिया 15 जनवरी 2027 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। चिकित्सा अधिकारियों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती की समीक्षा उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सा अधिकारियों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पदों पर भर्ती की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रतीक्षा सूची से चयन एवं नियुक्ति की कार्यवाही नियमानुसार शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है, ताकि नागरिकों को समय पर बेहतर उपचार सुविधाएं मिल सकें। डायलिसिस सेवाओं एवं एम्बुलेंस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश बैठक में सिविल अस्पतालों में डायलिसिस मशीनों की उपलब्धता एवं डायलिसिस सेवाओं के विस्तार पर भी विस्तृत चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि डायलिसिस सेवाओं तथा एम्बुलेंस संचालन से संबंधित नवीन टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए, जिससे मरीजों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। नर्सिंग एवं फार्मासिस्ट नियुक्ति संबंधी प्रकरणों पर निर्देश उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नर्सिंग काउंसिल को उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप विद्यार्थियों की शिफ्टिंग संबंधी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के पदों पर नियुक्ति के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार गणित संकाय के अभ्यर्थियों को सम्मिलित करने की आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विभागीय योजनाओं, भर्ती प्रक्रियाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। इसके लिए संबंधित अधिकारी नियमित समीक्षा करते हुए कार्यों में गति और समन्वय सुनिश्चित करें। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त श्री धनराजू एस., अलाइड काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार, सचिव डॉ. शेलोज जोशी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग द्वारा अयोध्या नगर ज़ोन में बिजली आपूर्ति एवं बिजली वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा

उपभोक्ता शिकायतों का त्वरित निराकरण और वाणिज्यिक हानियों में कमी लाने पर विशेष जोर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने सोमवार को भोपाल शहर वृत्त के अयोध्या नगर ज़ोन में बिजली आपूर्ति एवं बिजली वितरण व्यवस्था से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाकर उपभोक्ता संतुष्टि में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने अत्यधिक हानियों वाले फीडरों (हाई लॉस फीडर्स) की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि फीडरवार सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटीएंडसी) हानियों में कमी लाने के लिए बिजली के अवैध और अनधिकृत उपयोग को रोका जाए तथा राजस्व वसूली के लिए प्रभावी ढंग से कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए, ताकि सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटीएंडसी) हानियों का कम किया जा सके। उन्होंने उपभोक्ता इंडेक्सिंग के लंबित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करने तथा वितरण नेटवर्क का सटीक विवरण तैयार करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक





ने विद्युत आपूर्ति की स्थिति, बिजली अवरोध, उपभोक्ता शिकायतों तथा उपकेंद्रों में स्थापित महत्वपूर्ण उपकरणों जैसे सीटी, पीटी एवं कैपेसिटर बैंक की कार्यशील स्थिति की समीक्षा की। इसके साथ ही उपकेंद्रों के उपकरणों के नियमित रखरखाव तथा वितरण ट्रांसफार्मर सर्वे की प्रगति की भी जानकारी ली गई। श्री गर्ग ने स्मार्ट मीटरिंग के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्मार्ट मीटर स्थापना के शेष कार्यों को अभियान चलाकर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपभोक्ता शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा विद्युत आपूर्ति में व्यवधान के कारणों का विश्लेषण कर उनके स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाए। प्रबंध संचालक ने कहा कि विद्युत वितरण प्रणाली के नियमित रखरखाव, तकनीकी उपकरणों की कार्यशीलता और वितरण हानियों में कमी लाने के लिए सतत निगरानी आवश्यक है।

कविता-कथा के मंच पर 22 और 23 नवंबर को गूंजेंगी देश की कई भाषाओं की रचनाएं

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

भारत भवन के भारतीय कविता केंद्र 'वागर्थ' की ओर से 22 और 23 नवंबर 2026 को दो दिवसीय साहित्यिक आयोजन 'कविता-कथा' का आयोजन किया जाएगा। रचना-पाठ और वैचारिक विमर्श पर केंद्रित इस कार्यक्रम में देश की विभिन्न भाषाओं के साहित्यकार, कवि और कथाकार शामिल होंगे। आयोजन का शुभारंभ 22 नवंबर को शाम 6 बजे होगा। भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना तथा कविता और कथा के आपसी संबंधों, संवेदना और अभिव्यक्ति के विविध पक्षों पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के पहले दिन शुभारंभ सत्र में शाम 6 बजे सुश्री संगीता गोस्वामी और सहयोगी कलाकारों द्वारा वाणी वंदना प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद शाम 6.30 बजे रचना-पाठ का आयोजन होगा। इसमें ओड़िया की कहानीकार यशोधारा मिश्र, मराठी



की कवयित्री कल्पना दुधाल, उर्दू की कवयित्री नुसरत मेंहदी, हिंदी की कहानीकार सुमन सिंह, सिंधी की कहानीकार द्रोपदी चांदनानी तथा हिंदी की कवयित्री अन्ना माधुरी तिर्की और वैशाली थापा अपनी रचनाओं का पाठ करेंगी। 23 नवंबर को सुबह 10.30 बजे प्रथम वैचारिक सत्र आयोजित होगा। इसका विषय 'कविता और कथा की परस्परता' रखा गया है। इसमें इंदुशेखर तत्पुरुष, धर्मेंद्र पारे, संगीता गुन्देचा और अनुराग तिवारी वक्तव्य देंगे। सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार गोविन्द मिश्र करेंगे। इसी विषय पर दूसरा वैचारिक सत्र शाम 4 बजे होगा। इसमें विकास दवे, राग तैलंग, प्रदीप जिलवाने और विशाखा राजुरकर अपने विचार रखेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता संतोष चौबे करेंगे। शाम 6.30 बजे रचना-पाठ का आयोजन होगा।

रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेन के संचालन में 3 अतिरिक्त फेरों का विस्तार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

यात्रियों की सुविधा एवं त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा रानी कमलापति एवं दानापुर के मध्य संचालित द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 01667/01668) के संचालन अवधि में 03-03 अतिरिक्त फेरों का विस्तार किया गया है। विस्तारित अवधि में यह ट्रेन अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव एवं कोच संरचना के अनुसार संचालित होगी। विस्तारित फेरों का विवरण निम्नानुसार है : 1. गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को रानी कमलापति से प्रस्थान करती है। पूर्व में इस ट्रेन का संचालन 16



नवंबर 2026 तक अधिसूचित था, जिसे विस्तारित करते हुए अब 20, 23 एवं 27 नवंबर 2026 को भी संचालित किया जाएगा। इस प्रकार कुल 03 अतिरिक्त फेरे उपलब्ध होंगे। 2. गाड़ी संख्या 01668 दानापुर-रानी कमलापति द्वि-साप्ताहिक स्पेशल यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को दानापुर से प्रस्थान करती है। पूर्व में इस ट्रेन का संचालन 17 नवंबर 2026 तक अधिसूचित था, जिसे विस्तारित करते हुए अब 21, 24 एवं 28 नवंबर 2026 को भी संचालित किया जाएगा। इस प्रकार कुल 03 अतिरिक्त फेरे उपलब्ध होंगे। भोपाल मंडल के स्टेशनों पर समय-सारणी : गाड़ी संख्या 01667 (रानी कमलापति-दानापुर) : रानी कमलापति स्टेशन से 14:25 बजे प्रस्थान कर नर्मदापुरम 15:25/15:27 बजे तथा इटारसी जंक्शन 15:55/16:10 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01668 (दानापुर-रानी कमलापति) : इटारसी जंक्शन पर 07:50/08:05 बजे तथा नर्मदापुरम स्टेशन पर 08:35/08:37 बजे पहुंचेगी और अगले दिन 10:50 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ठहराव स्टेशन- रानी पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा एवं दानापुर।

वर्ष 2020 से अब तक विभाग में 391 परिवारों के सदस्यों को दी जा चुकी है अनुकंपा नियुक्ति

अनुकंपा नियुक्ति संकट की घड़ी में परिवारों को संबल प्रदान करने का संवेदनशील माध्यम: जल संसाधन मंत्री सिलावट

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज भोपाल स्थित अपने निवास कार्यालय में विभाग के दिवंगत शासकीय सेवकों के 37 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश प्रदान किए। इनमें सहायक वर्ग-3 के 23 तथा भृत्य के 14 पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं। मंत्री श्री सिलावट ने नवनियुक्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति केवल एक शासकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में परिवारों को संबल प्रदान करने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने का संवेदनशील माध्यम है। राज्य सरकार प्रत्येक ऐसे परिवार के



साथ खड़ी है, जिसने अपने प्रियजन को खोया है। सरकार का प्रयास है कि दिवंगत शासकीय सेवकों के परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सके। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टिकोण और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। अनुकंपा नियुक्ति के माध्यम से आश्रित परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें सम्मानपूर्वक जीवनयापन का अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों से अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सिलावट ने आश्वस्त किया कि सरकार आपके साथ है। किसी भी परिवार को विपरीत परिस्थितियों में अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा। राज्य सरकार हर संभव सहयोग और संवेदनशीलता के साथ जरूरतमंद परिवारों के हित में कार्य करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 से अब तक जल संसाधन विभाग में कुल 391 दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारजनों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है। यह विभाग द्वारा परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और उनके पुनर्वास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

चमड़ा उद्योग एवं शैक्षणिक केंद्र कानपुर को दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन केंद्र से सीधे जोड़ेगी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई कानपुर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और सांसद श्री रमेश अवस्थी ने आज नई कानपुर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन कानपुर सेंट्रल से आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलेगी, जिससे कानपुर और दिल्ली के बीच रेल संपर्क और अधिक सुगम होगा तथा यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर कानपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडे, अकबरपुर के सांसद श्री देवेंद्र सिंह भोले सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दैनिक रेल सेवा के शुरू होने से उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बीच रेल संपर्क और मजबूत होगा। साथ ही, कानपुर और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को आवागमन का एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। नई रेल सेवा से प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्रों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा 428 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन में 22 आधुनिक एलएचबी कोच होंगे। यह अपने मार्ग में पड़ने वाले कई महत्वपूर्ण शहरों और आर्थिक केंद्रों को आपस में जोड़ेगी। इस रेल सेवा से फफूंद के यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा, जहां से औरैया के औद्योगिक क्षेत्रों, जिनमें एनटीपीसी औरैया और गेल पाटा शामिल हैं, तक पहुंच आसान होगी। इसके अलावा, प्रमुख कृषि केंद्र इटावा और कांच उद्योग के लिए प्रसिद्ध फिरोजाबाद क्षेत्र के यात्रियों को भी इस रेल सेवा से बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। टूंडला के माध्यम से फिरोजाबाद क्षेत्र को भी इस ट्रेन से कनेक्टिविटी मिलेगी। यह ट्रेन हींग प्रसंस्करण, पीतल



के उत्पादों और कृषि आधारित उद्योगों के लिए प्रसिद्ध हाथरस को भी रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। इसके साथ ही, ताला उद्योग के लिए देशभर में पहचान रखने वाले अलीगढ़, जहां अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय भी स्थित है और सिरेमिक एवं मिट्टी के बर्तनों के उद्योग के लिए प्रसिद्ध खुर्जा तक रेल कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगी। इसके अलावा, यह ट्रेन एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स एवं औद्योगिक केंद्र दादरी को भी जोड़ेगी। इसके बाद एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में शामिल गाजियाबाद से होते हुए दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन केंद्र आनंद विहार टर्मिनल तक पहुंचेगी। क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा और यात्रियों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधा यह नई रेल सेवा उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक, चमड़ा उद्योग एवं शैक्षणिक केंद्रों में शामिल कानपुर को दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन केंद्र आनंद विहार टर्मिनल से सीधे जोड़ेगी। आनंद विहार टर्मिनल के माध्यम से यात्रियों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी। इस रेल संपर्क से कानपुर और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले व्यापारियों, विद्यार्थियों, कामगारों एवं अन्य यात्रियों को सुविधाजनक आवागमन का विकल्प मिलेगा। श्री अश्विनी वैष्णव ने कानपुर के लोगों को नई रेल सेवा की शुरुआत पर बधाई दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस नई रेल सेवा के लिए कानपुरवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। 16 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का निर्माण कानपुर में रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले दशकों पुराने जाम की समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करेगा। यात्री कनेक्टिविटी को मजबूत करने और यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक एवं भरोसेमंद रेल यात्रा की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति भारतीय रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नशे से दूर रहें युवा, एक खेल को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा: कलेक्टर जैन

प्रतिभा निखारने के लिए प्रशासन के सहयोग से मार्गदर्शन की व्यवस्था करेंगे: एसपी वर्मा

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर श्री पवन जैन के मुख्य आतिथ्य तथा पुलिस अधीक्षक श्री सूरज वर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन महावीर मांगलिक भवन अटेर रोड़ भिण्ड में किया गया। इस दौरान एसडीओपी श्री रविन्द्र वास्कले, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी श्रीमती अनीता गुर्जर, खेल विभाग अधिकारी श्री अजीम खान सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य नागरिक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता करते हुए 05 विधाओं में अपनी कला, संस्कृति एवं प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। कलेक्टर श्री पवन जैन ने युवा उत्सव के शुभारंभ अवसर पर युवाओं से नशामुक्त, स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्सव की सार्थकता तभी है, जब युवा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और सकारात्मक बदलाव की शुरुआत खुद से करें। कलेक्टर ने कहा कि जीवन में जो भी काम करें, पूरी निष्ठा और लगन से करें। मेहनत का कोई विकल्प नहीं है।



ईमानदारी से सही दिशा में किया गया प्रयास अच्छे परिणाम देता है। समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है, अब अपने प्रयासों से समाज को लौटाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे न स्वयं नशा करें और न दूसरों को करने दें। नशे को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ भी आगे आएं। उन्होंने कहा कि युवा इस उद्देश्य के लिए संकल्पित होकर काम करेंगे, तभी युवा उत्सव सही मायने में सफल होगा। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक युवा किसी एक खेल को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाए। इंडोर हो या आउटडोर, अपनी रुचि के अनुसार खेल चुनें और उसे भोजन व अन्य जरूरी कार्यों की तरह दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। उन्होंने खेलों को स्वस्थ परिवार, समाज और देश के निर्माण से जोड़ा। उन्होंने युवाओं से अपने घर और मोहल्ले को साफ रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी आदतों से पूरे जिले को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी। अगले वर्ष स्वच्छता में जिले की पहचान बनाने के लिए सभी को अपने स्तर पर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि अच्छी बातों को केवल उपदेश तक सीमित न रखें, बल्कि व्यवहार में अपनाएं। दूसरों को समझाने से पहले स्वयं पहल करें और अपने आचरण से रोल मॉडल बनें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। पुलिस अधीक्षक श्री सूरज वर्मा ने कहा कि देश की युवा शक्ति को सही दिशा और अवसर देकर विकास को गति दी जा सकती है। आने वाले 10 से 20 वर्षों में देश कितना आगे बढ़ेगा, इसमें युवा पीढ़ी की प्रतिभा और प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के सामने अपनी क्षमता दिखाने और देश के विकास में योगदान देने का बड़ा अवसर है। इस पहल का उद्देश्य उन्हें जोड़ना और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने सभी से इससे जुड़ने और इसका अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने कहा कि युवाओं को आगे जिस भी मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, उसकी व्यवस्था कलेक्टर और संबंधित विभागों के सहयोग से करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि युवा अपनी प्रतिभा को निखारकर विभिन्न क्षेत्रों में पहचान बनाएंगे और देश की प्रगति में भागीदार बनेंगे। जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभागियों को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। जिसमें पेंटिंग/चित्रकला प्रतियोगिता में रौन के श्री प्रशांत कुशवाह ने प्रथम, भिण्ड की कु. तनिष्का शर्मा ने द्वितीय, भिण्ड की कु. कल्पना राजावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के तहत बालगृह, शिशुगृह एवं बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर बच्चों को दी जानकारी



एक सत बुलेटिन, मुरैना

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती संगीता मदान के मार्गदर्शन में जिले में 14 से 27 नवम्बर 2026 तक न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना एवं तहसील विधिक सेवा समितियों अम्बाह, जौरा एवं सबलगढ़ द्वारा विभिन्न विधिक जागरूकता एवं जनहितकारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के तहत सोमवार, 16 नवम्बर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा केकेएस बालगृह, शिशुगृह एवं बाल संप्रेक्षण गृह मुरैना का निरीक्षण किया गया तथा विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री दिनेश सिंह राणा ने उपस्थित बच्चों को नशे एवं मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों, उनकी रोकथाम तथा समय पर सहायता प्राप्त करने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को पॉक्सो एक्ट, साइबर सुरक्षा एवं निःशुल्क विधिक सहायता के प्रावधानों से अवगत कराया। साथ ही नालसा की संबंधित योजनाओं की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में बताया।

जनविश्वास शिविरों में केवल आवेदन लेना नहीं, समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करना प्रशासन की प्राथमिकता: कलेक्टर



एक सत बुलेटिन, मुरैना

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को समय-सीमा (टीएल) बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण विकास कार्यों, मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान, आयुष्मान भारत योजना, स्वामित्व योजना, जल जीवन मिशन, सीएम हेल्पलाइन, शिक्षा, नरवाई प्रबंधन एवं कृषि विभाग की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में लापरवाही, अनावश्यक विलंब एवं निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर जांगिड़ ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे शिविरों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की जानकारी संबंधित अधिकारियों से समय पर प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जनविश्वास शिविरों का उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना अथवा औपचारिकता निभाना नहीं है, बल्कि आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण करना तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। संबंधित अधिकारी प्रत्येक आवेदन का नियमित फॉलोअप करें तथा यह सुनिश्चित करें कि आवेदक की समस्या का वास्तव में निराकरण हुआ है या नहीं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन पर की गई कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज करते हुए एक्शन टेकिंग रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। यदि कोई आवेदक योजना अथवा सेवा का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं है, तो उसकी अपात्रता का स्पष्ट कारण भी दर्ज किया जाए। आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने शासन की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा करते हुए आयुष्मान 70 प्लस कार्ड बनाए जाने की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपलब्ध लाइन लिस्ट के अनुसार पात्र बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य अभियान के रूप में किया जाए।

246 साल पुराने हंसदास मठ में आज से अन्नकूट महोत्सव कल लगेगा छप्पन भोग

इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित 246 साल पुराने हंसदास मठ में मंगलवार से दो दिवसीय अन्नकूट महोत्सव शुरू होगा। पहले दिन सुबह 10.30 बजे अखंड रामायण पाठ होगा। बुधवार को आंवला नवमी पर भगवान पद्मनाभ, रणछोड़जी, टीकमजी और पंचमुखी चिंतामहरण हनुमानजी का विशेष श्रृंगार कर उन्हें छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत रामचरण दास महाराज और महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सानिध्य में होने वाले आयोजन में महाआरती और भजन संध्या भी होगी।मठ के पं. अमितदास महाराज ने बताया कि बुधवार को अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति होगी। इसके बाद सभी देवालयों में अभिषेक और विशेष पूजन किया जाएगा। शाम 6.30 बजे भगवान को छप्पन भोग समर्पित होंगे। शाम 7 बजे महाआरती होगी और इसके बाद रात 10 बजे तक भजन संध्या चलेगी।अहिल्याबाई के शासनकाल में हुई थी स्थापना पं. अमितदास महाराज ने बताया कि हंसदास मठ की स्थापना 1780 में देवी अहिल्याबाई होलकर के शासनकाल में हुई थी। उस समय उज्जैन और ओंकारेश्वर आने-जाने वाले साधु-संतों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था मठ में की जाती थी। संत सेवा सहित कई गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी भिण्ड ने किया जल कर बिल सेंटरों का निरीक्षण

लापरवाह कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी, अनियमितता पाए जाने पर जताई नाराजगी

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

भिण्ड नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री विरेन्द्र चक्रवर्ती द्वारा आज नगर के विभिन्न जल कर बिल संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आई। कई बिल सेंटर दोपहर 2:00 बजे ही बंद पाए गए, जबकि अनेक कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित मिले। साथ ही यह भी पाया गया कि बिल सेंटरों पर नियमित रूप से जल कर के बिल जारी नहीं किए जा रहे हैं, जिसके कारण जल उपभोक्ताओं पर करोड़ों रुपये की जलकर राशि बकाया है। व्यवस्थाओं में लापरवाही और अनियमितता पाए जाने पर श्री चक्रवर्ती ने संबंधित कर्मचारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी बिल सेंटर निर्धारित समय तक अनिवार्य रूप से खुले रहें, प्रत्येक उपभोक्ता को समय पर बिल जारी किया जाए और बकाया राशि की वसूली हेतु प्रभावी अभियान चलाया जाए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि कार्यालय कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाया जाए, अन्यथा लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई।निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने संबंधित कर्मचारियों से जलकर वसूली की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही बिल जमा करने आने वाले उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को समय पर सेंटर खोलने, बिल भुगतान की प्रक्रिया सुचारु रखने और उपभोक्ताओं के साथ उचित व्यवहार करने की हिदायत भी दी। सीएमओ ने कहा कि जलकर वसूली नगर पालिका की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी सेंटरों पर बेहतर व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है।



नशामुक्ति अभियान को गति देने की तैयारी, सूचना दाताओं को पुरस्कार और गोपनीयता की गारंटी

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

नशामुक्ति अभियान को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के लिए कलेक्टर श्री पवन जैन की अध्यक्षता में नशामुक्ति अभियान समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नेशनल एक्सन प्लान फॉर ड्रग डिमान्ड रिडक्शन योजनांतर्गत आगामी गतिविधियों पर सामान्य चर्चा हुई। यह बैठक सोमवार, 16 नवंबर 2026 को दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गई थी, परंतु उपस्थिति कम रहने के कारण इसे आगामी दिनों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सूचनादाताओं को पुरस्कार कलेक्टर श्री पवन जैन ने अपील कर कहा है कि अवैध नशा बिक्री, तस्करी या कारोबार की सूचना देने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचनादाताओं की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग बिना भय के जानकारी साझा कर सकें। यह पहल नागरिक सहभागिता और नशे के विरुद्ध सामूहिक जागरूकता को बढ़ाने पर केंद्रित है। कलेक्टर ने कहा कि नशा बेचने वालों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान के तहत संबंधित विभाग मिलकर निगरानी, जांच और कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उद्देश्य नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना और युवाओं को नशे से दूर रखना है। नशामुक्ति जागरूकता अभियानों में युवाओं को नशे के शारीरिक, आर्थिक और सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराना मुख्य धुरी रहता है, इसलिए बड़े कार्यक्रमों और बड़े मंच का सदुपयोग करके नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक करें।



विद्याधाम में आज गोमाता को लगेगा 56 भोग, 20 को तुलसी-शालिग्राम विवाह

एक सत बुलेटिन, इंदौर



गोपाष्टमी पर विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम में मंगलवार शाम गौमाता के लिए विशेष अन्नकूट महोत्सव होगा। इसमें श्रद्धालु अपने घरों से बनाए व्यंजन लाकर गोवंश को 56 भोग समर्पित करेंगे। गाय के गोबर से गिरिराज पर्वत और भगवान श्रीकृष्ण की झांकी भी सजाई जाएगी। महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में शाम 6 बजे से शुरू होने वाले आयोजन में 6.30 बजे महाआरती होगी। श्रद्धालुओं के लिए गोमाता को अपने हाथों से भोग परोसने की व्यवस्था भी की गई है। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा, उमा शुक्ला और राजेन्द्र महाजन ने बताया कि विद्याधाम में कई वर्षों से गोपाष्टमी पर गोवंश के लिए 56 भोग लगाने की परंपरा निभाई जा रही है। इस बार भी श्रद्धालु घरों से व्यंजन लेकर आएंगे। जो भक्त सामग्री नहीं ला सकेंगे, उनके लिए गौशाला में खाद्य सामग्री उपलब्ध रहेगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

एक सत बुलेटिन, दतिया

कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाली समीक्षा बैठक आज सोमवार को न्यू कलेक्ट्रेट स्थित कलेक्टर कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं तथा स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर, आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश बैठक में स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध दवाइयों, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपलब्धता तथा मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शासकीय अस्पतालों में आने वाले मरीजों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े तथा उन्हें समय पर उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने, गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने तथा संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। साथ ही टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पात्र बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार किया जाए तथा जिन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में कमियां सामने आती हैं, उन्हें प्राथमिकता से दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार लाना है। अतः सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए विभागीय दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।



संपादकीय

सुपर पॉवर जमीं पर

सुपर पॉवर अमरीका के विमान साढ़े 4 घंटे तक जमीन पर रहे। उड़ानें ठप हो गईं। उस दौरान करीब 3500 विमान आसमान में उड़ान भर रहे थे, उन्हें तुरंत आसपास के हवाई अड्डे पर उतरने के आदेश दिए गए। करीब 13,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कुछ ने यह आंकड़ा 9000 बताया है। जो भी है, लेकिन 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों को प्रभावित होना पड़ा। हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने आक्रोश, गुस्सा व्यक्त किए। कुछ जगह अधिकारियों को हाथापाई भी झेलनी पड़ी। विमानन का यह संकट अमरीका ने पहली बार नहीं झेला है, बल्कि 9/11 आतंकी हमले के बाद भी उसके सुपर, अत्याधुनिक, कथित सर्वश्रेष्ठ करीब 4500 विमानों को जमीन सूंघनी पड़ी थी। क्या यह संचार प्रणाली के फेल होने की ही घटना थी अथवा कोई बड़ा, सटीक साइबर हमला किया गया था? अमरीका में ही दुनिया की विख्यात कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल सेवाएं 30 लंबे घंटों तक बाधित रहीं, नतीजतन 74 देशों में करोड़ों यूजर्स असहाय हो गए। इंटरनेट ठप हो गए, लिहाजा मेल भी नहीं भेजी जा सकीं। सेवाएं शुक्रवार रात तक बहाल हो सकीं। साइबर हमला न तो राष्ट्रपति ट्रंप और उनके मंत्रियों ने कबूल किया है और न ही माइक्रोसॉफ्ट ने स्वीकार किया है। सुपर पॉवर ऐसे हमले कैसे और क्यों स्वीकार करेगी? लेकिन सवाल सहज है कि फिर इतने व्यापक स्तर पर सिस्टम फेल कैसे हो गए? वे ठप क्यों हुए? यदि 9/11 आतंकी हमले की पुनरावृत्ति नहीं हुई, तो विमानों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के तमाम सिस्टम एक साथ फेल कैसे हो गए? विमानन में एक नहीं, कई वैकल्पिक सिस्टम होते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि विमान और एटीसी के सभी सिस्टम एक साथ फेल हो ही नहीं सकते। क्या आज भी अमरीकी विमानन संचार प्रणाली 1980 के तांबे की तारों के भरोसे चल रही है? उन्हें अपग्रेड किया जा रहा था।

यह राष्ट्रपति ट्रंप ने भी माना है कि सिस्टम आउटडेटेड हो गया था, लिहाजा उसे अपग्रेड करने के लिए 30.1 अरब डॉलर का तुरंत बजट अमरीकी कांग्रेस से मांगा गया था, लेकिन इस मांग के ही अगले दिन सिस्टम ध्वस्त हो गया। यह वाकई आश्चर्य है। अमरीका की प्रौद्योगिकीय विश्वसनीयता पर सवाल किए जा रहे हैं। क्या यही सुपर पॉवर का अंदरूनी सच है? सवाल यह भी है कि एक साथ 22 एटीसी केंद्रों पर एआई (कृत्रिम बौद्धिकता) टूल कैसे फेल साबित हुए? क्या यह एआई हमला भी हो सकता है? इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार विजेता ब्रिटिश-कनाडाई कंप्यूटर वैज्ञानिक जेफ्री हिंटन की चेतावनी गौरतलब है, जिसमें कहा गया था कि आगामी तीन साल में एआई मानवता पर हावी हो जाएगी। इनसान के अस्तित्व के लिए खतरा साबित होगी। एआई नियंत्रण से बाहर हो सकती है! इनसान तमाम नियंत्रण खो सकता है! हिंटन को एआई और मशीन लर्निंग का गॉड फादर माना जाता रहा है। क्या सिस्टम का यह ध्वस्तीकरण उस दौर की भूमिका लिख गया है? अमरीका दुनिया के देशों को विमान, प्रौद्योगिकी, टूल्स और बहुत कुछ बेचता है और एकमात्र सुपर पॉवर होने के दंभ पालता है। बीते दिनों ईरान ने अमरीका पर अप्रत्याशित, अकल्पनीय हमले करने की कई बार चेतावनियां, धमकियां दी हैं। क्या ईरान, चीन या रूस के सहयोग से, ऐसा हमला कर सकता है कि अमरीकी विमान व्यवस्था ही जमींदोज हो जाए? जनवरी, 2023 में भी एफएए के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में ऐसी खराबी आई थी कि 10,800 विमानों की सेवाएं एकदम ठप हो गई थीं। होमलैंड, ट्रेजरी विभाग, पेंटागन में साइबर हमले से सब कुछ निष्क्रिय हो गया था। नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को आपातकाल घोषित करना पड़ा था। बहरहाल यह समय और दौर साइबर और एआई का है, लिहाजा ऐसे संकट अमरीका ही नहीं, यूरोप और खासकर भारत में भी पैदा हो सकते हैं। भारत का मुख्य सर्वर ही विदेशी है। एआई के लिए फिलहाल हम विदेशी कंपनियों पर ही आश्रित हैं। भारत के विमान भी विदेशी हैं, लेकिन ज्यादातर अत्याधुनिक प्रणाली के नहीं हैं। भारत में एयर ट्रैफिक बढ़ रहा है। विमानन ढांचे के साथ-साथ एटीसी को भी अधिक दुरुस्त करना पड़ेगा। भारत को समय रहते यह कदम उठाने होंगे ताकि उसे अमरीका जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

न्यूयॉर्क से दिल्ली तक समन पहुंचाने का दांव-पेंच

अभिषेक शुक्ल

> **चौथे विकल्प के रूप में दिल्ली की जिला अदालत अमेरिकी अदालत को एक तर्कपूर्ण न्यायिक आदेश के माध्यम से औपचारिक स्पष्टीकरण या आपत्ति भेज सकती है, क्योंकि स्वयं अमेरिकी न्यायाधीश कैथरीन पोल्क फैला ने अपने 9 नवंबर 2026 के आदेश में यह गुंजाइश खुली रखी है कि यदि भारतीय प्राधिकरण या अदालतें भारतीय प्रक्रियात्मक कानून पर कोई औपचारिक आपत्ति प्रस्तुत करती हैं, तो वे अपने आदेश की समीक्षा कर सकती हैं।**

फरवरी 2025 की एक सर्द शाम वाशिंगटन डी.सी. के अति-सुरक्षित 'ब्लेयर हाउस' के बाहर सन्नाटा पसरा है, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ठहरे हुए हैं। तभी एक प्राइवेट प्रोसेस सर्वर हाथ में एक मोटा भूरा लिफाफा लिए अंदर जाने की कोशिश करता है, लेकिन अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के सुरक्षाकर्मी उसे वहीं रोक देते हैं। तीन बार नाकाम होने के बाद निराश सर्वर उस लिफाफे को ब्लेयर हाउस से 100 फीट दूर स्थित एक 'स्टारबक्स' कैफे में छोड़कर मान लेता है कि उसका काम हो गया, मगर न्यूयॉर्क की संघीय अदालत की न्यायाधीश कैथरीन पोल्क फैला ने इस 'कॉफी-शॉप तामील' को 3 मार्च 2025 को सिरे से खारिज कर दिया, क्योंकि कानून की दुनिया में 'समन' या 'कानूनी नोटिस' महज डाक का एक लिफाफा नहीं होता, बल्कि यह न्याय के बुनियादी सिद्धांत 'ऑडी अल्टरम पार्टम' (दूसरे पक्ष को भी सुने जाने का अधिकार) का वाहक है।

गुरपतवंत सिंह पन्नू की कानूनी टीम ने सितंबर 2024 में दीवानी मुकदमा दायर करने के बाद से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और पूर्व रॉ प्रमुख सामंत गोयल को समन तामील कराने के लिए हर संभव रास्ता आजमाया है। 1965 के हेग सेवा अभिसमय के तहत भारत ने केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय (विधिक कार्य विभाग) को अपना केंद्रीय प्राधिकरण नामित किया है। पन्नू ने 2024 में इस मंत्रालय के जरिए समन भेजने की कोशिश की, लेकिन मंत्रालय ने यह कहते हुए अनुरोध लौटा दिया कि ये समन हेग कन्वेंशन की निर्धारित श्रेणियों में नहीं आते। इसके बाद पन्नू ने भारतीय अधिकारियों व वकीलों को ई-मेल करने, अखबारों में प्रकाशन कराने और राजनयिक माध्यमों से तामील की अनुमति मांगी। अदालत ने इसे अस्वीकार कर दिया, क्योंकि भारत ने हेग कन्वेंशन के अनुच्छेद 10 (डाक या प्रत्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक चैनल) पर औपचारिक आपत्ति दर्ज करा रखी है और अनुच्छेद 8 के तहत राजनयिक तामील केवल अनुरोध करने वाले देश के अपने नागरिकों तक सीमित है। सभी रास्ते बंद होने पर पन्नू ने हेग कन्वेंशन के अनुच्छेद 19 का सहारा लिया, जो प्राप्तकर्ता देश के घरेलू कानून द्वारा अनुमत तामील के तरीकों को सुरक्षित रखता है। इसी आधार पर 9 नवंबर 2026 को न्यूयॉर्क की संघीय अदालत की न्यायाधीश कैथरीन पोल्क फैला ने पन्नू को 30 नवंबर तक प्रस्तावित सर्विस पैकेट जमा करने का निर्देश दिया, ताकि कोर्ट क्लर्क उसे दिल्ली की तीन जिला अदालतों पटियाला हाउस, द्वारका और तीस हजारी कोर्ट कॉम्प्लेक्स को भेज सके।

अंतरराष्ट्रीय विधि के तहत कोई भी अदालत सीधे दूसरे देश की संप्रभु सीमा में अपने आदेश लागू नहीं कर सकती, इसलिए दो देशों की अदालतों के बीच संवाद राष्ट्रों के सौहार्द और संधियों के माध्यम से होता है। 1965 के हेग सेवा अभिसमय के अनुच्छेद 2 से 6 के तहत एक अदालत प्राप्तकर्ता देश के नामित केंद्रीय प्राधिकरण (भारत में विधि एवं न्याय मंत्रालय) को अनुरोध पत्र भेजती है, जो अनुच्छेद 13 के अंतर्गत राष्ट्रीय संप्रभुता व सुरक्षा की जांच के बाद दस्तावेज स्थानीय अदालत को अग्रसारित करता है, जबकि अभिसमय का अनुच्छेद 19 घरेलू कानून की अनुमति होने पर विदेशी अदालत के क्लर्क को सीधे संबंधित स्थानीय अदालत को समन भेजने का विकल्प देता है।

भारतीय सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 29(ू) जिसे जनवरी 2009 की राजपत्र अधिसूचना द्वारा हेग कन्वेंशन के सदस्य देशों पर लागू किया गया था और आदेश श के नियम 21 व 23 के तहत भारतीय अदालत अधिसूचित विदेशी सिविल कोर्ट से आए समन की तामील कराकर मूल अदालत को प्रमाणपत्र वापस भेजती है, ठीक उसी तरह जैसे भारतीय अदालतें विदेश में समन भेजने या साक्ष्य जुटाने के लिए संहिता की धारा 77 व 78 तथा आदेश श के नियम 25 व 26 के अंतर्गत विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास के माध्यम से 'लेटर्स रोगेटरी' भेजती हैं।

जब अमेरिकी अदालत से स्वीकृत समन पैकेट दिल्ली की तीन जिला अदालतों पटियाला हाउस, द्वारका और तीस हजारी कोर्ट कॉम्प्लेक्स तक पहुंचेगा, तो प्राप्तकर्ता भारतीय न्यायाधीश उस समन की तामील कराने के लिए स्वतः बाध्य नहीं होंगे। चूंकि अमेरिकी कोर्ट क्लर्क भारत के नामित केंद्रीय प्राधिकरण, यानी केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय (विधिक कार्य विभाग) को दरकिनार करते हुए सीधे हेग सेवा अभिसमय के अनुच्छेद 19 और भारतीय सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (सीपीसी) की धारा 29(ू) के तहत दस्तावेज भेज रहा है, इसलिए दिल्ली की अदालत के पास चार प्रमुख प्रक्रियात्मक विकल्प उपलब्ध होंगे। सबसे पहले, चूंकि भारत ने हेग कन्वेंशन के अनुच्छेद 2 के तहत विधि एवं न्याय मंत्रालय को एकमात्र केंद्रीय प्राधिकरण नामित किया है और विदेश मंत्रालय ने भी 10 नवंबर 2026 को स्पष्ट किया है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील केवल इसी मंत्रालय के माध्यम से हो सकती है, इसलिए दिल्ली के जिला न्यायाधीश केंद्रीय प्राधिकरण को दरकिनार किए जाने या प्रतिवादियों के वास्तविक निवास स्थान पर क्षेत्रीय अधिकारिता (आदेश श, नियम 21 सीपीसी) न होने के आधार पर पैकेट को प्रारंभिक स्तर पर ही अस्वीकार कर लौटा सकते हैं।

दूसरे विकल्प के रूप में, विदेशी अदालत के अनुरोध को सीधे खारिज करने के बजाय दिल्ली की अदालत पैकेट को रिकॉर्ड पर लेकर विधि एवं न्याय मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को संदर्भित कर सकती है, ताकि भारत सरकार की यह औपचारिक राय ली जा सके कि इस समन की तामील से हेग कन्वेंशन के अनुच्छेद 13 के तहत राष्ट्रीय संप्रभुता या सुरक्षा प्रभावित होती है या नहीं। इसके विपरीत, तीसरे विकल्प के तहत यदि दिल्ली के न्यायाधीश जनवरी 2009 की राजपत्र अधिसूचना के साथ पठित सीपीसी की धारा 29(ू) की अमेरिकी अदालत वाली व्याख्या को स्वीकार कर लेते हैं, तो वे इस समन को भारतीय अदालत द्वारा जारी समन की तरह मानेंगे और आदेश श के नियम 21 व 23 के अंतर्गत स्थानीय प्रोसेस सर्वर या पंजीकृत डाक से तामील कराने का प्रयास कर तामील या अतामीली का प्रमाणपत्र न्यूयॉर्क अदालत को वापस भेजेंगे।

स्थानीय उत्पादों का मजबूत बाजार जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

पिछले दिनों दिवाली के त्योहारी बाजार में महंगाई की तमाम चुनौतियों के बावजूद स्थानीय और घरेलू उत्पादों की बिक्री की जबरदस्त रौनक उभरकर दिखाई दी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि विगत कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री द्वारा वोकल फॉर लोकल का लगातार आह्वान नागरिकों के उपभोक्ता व्यवहार पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। परिणामस्वरूप, हर बीतते त्योहार के साथ भारतीय बाजारों में स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा निर्मित वस्तुओं की मांग और बिक्री में सतत वृद्धि दर्ज की जा रही है। वर्तमान समय में जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की बाधाओं के कारण महंगाई का दबाव लगातार बना हुआ है, तब भी भारतीय उपभोक्ताओं के खरीददारी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है।



इन स्वदेशी निर्माण इकाइयों और एमएसएमई इलेक्ट्रॉनिक्स समूहों ने इस वर्ष भारत के त्योहारी बाजार की करीब 80 प्रतिशत से अधिक प्रकाश व्यवस्था, सजावटी लडि ?ों और गृह-सज्जा उत्पादों की मांग को स्वदेशी उत्पादन के बल पर सफलतापूर्वक पूरा किया है।

निश्चित रूप से, जहां एक ओर देश के त्योहारी बाजार में त्योहार से जुड़े स्थानीय और घरेलू उत्पादों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी ओर चीन से आयातित त्योहारी उत्पादों की मांग में लगातार कमी आ रही है। इस सुकूनदायक परिदृश्य के बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि चीन सहित अन्य देशों से त्योहारी उत्पादों के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के औद्योगिक और अन्य उत्पादों का आयात निरंतर बढ़ता जा रहा है। ऐसे में, स्वदेशी और घरेलू उत्पादों की नियमित मांग को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की घरेलू वस्तुओं की मांग बढ़ाकर आयात पर नियंत्रण करना होगा, ताकि व्यापार घाटे को काबू में रखते हुए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ा जा सके। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 13 नवंबर को वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2026 में भारत का वस्तु व्यापार (मरचेंडाइज ट्रेड) घाटा बढकर 39.88 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले 12 महीनों का सबसे उच्च स्तर है। कच्चे तेल के बढ़ते आयात, इलेक्ट्रॉनिक सहित विभिन्न वस्तुओं के बढ़ते आयात और सोने की खरीददारी में आई भारी तेजी के कारण आयात में यह उछाल देखने को मिला है। इसके विपरीत, सितंबर महीने में यह व्यापार घाटा 30.21 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। अक्टूबर माह में भारत का कुल वस्तु आयात बढकर 89.35 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान देश के निर्यात मोर्चे पर भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। इसी अवधि में वस्तु निर्यात बढकर 49.47 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक है। मजबूत वैश्विक मांग और प्रमुख सेक्टरों के बेहतर प्रदर्शन ने निर्यात को यह जरूरी बल प्रदान किया है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों दिवाली के त्योहारी बाजार में महंगाई की तमाम चुनौतियों के बावजूद स्थानीय और घरेलू उत्पादों की बिक्री की जबरदस्त रौनक उभरकर दिखाई दी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि विगत कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री द्वारा वोकल फॉर लोकल का लगातार आह्वान नागरिकों के उपभोक्ता व्यवहार पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। परिणामस्वरूप, हर बीतते त्योहार के साथ भारतीय बाजारों में स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा निर्मित वस्तुओं की मांग और बिक्री में सतत वृद्धि दर्ज की जा रही है। वर्तमान समय में जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की बाधाओं के कारण महंगाई का दबाव लगातार बना हुआ है, तब भी भारतीय उपभोक्ताओं के खरीददारी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। देश के प्रमुख व्यापारिक संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार इस बार नवरात्रि से दिवाली तक करीब 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रिकॉर्ड कारोबार हुआ है। वहीं, विभिन्न शीर्ष आर्थिक संस्थानों की रिपोर्टों के मुताबिक इस त्योहारी चक्र में भारत के कुल व्यापारिक कारोबार में पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। निःसंदेह, इस बार त्योहारी सीजन की सबसे सुखद तस्वीर यह रही कि भारतीय बाजारों में चीनी उत्पादों का वर्चस्व तेजी से घटा है और स्वदेशी सामानों की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यदि हम एक दशक पूर्व की स्थिति का स्मरण करें, तो दिवाली के बाजारों पर सस्ते, आकर्षक, लेकिन घटिया गुणवत्ता वाले चीनी सामानों का 70 से 80 प्रतिशत तक एकछत्र राज हुआ करता था। चाहे सजावटी एलईडी लाइटें हों, प्लास्टिक के उपहार, प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां, आतिशबाजी हो या फिर बच्चों के खिलौने, चीन से बड़े पैमाने पर होने वाले आयात ने भारत के पारंपरिक कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों और लघु उद्यमियों को गंभीर रूप से हाशिए पर धकेल दिया था।

इसके साथ ही, देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा हर वर्ष पानी की तरह बाहर चली जाती थी। यद्यपि भारत के कुल आयात और व्यापार घाटे में चीन का हिस्सा अब भी बड़ा है, लेकिन त्योहारी और उपभोग योग्य सामानों के आयात में आई यह भारी कमी एक बहुत बड़ा सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक बदलाव है। भारतीय उपभोक्ता अब चीनी सामानों के स्थान पर विशुद्ध रूप से स्वदेशी, प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को अपनी पहली पसंद बना रहे हैं। इस बड़े बदलाव के कारण भारत को त्योहारी मौसम के दौरान अरबों रुपए की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की ऐतिहासिक बचत करने में बड़ी सफलता मिली है। भारतीय कारीगरों और ह्यमेक इन इंडियाह्व का सशक्तिकरण यह महत्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तन केवल किसी भावुक अपील का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे भारतीय कारीगरों, बुनकरों, लघु उद्यमियों और ह्यमेक इन इंडियाह्व समूहों की कड़ी मेहनत, नवाचार और तकनीकी सुधार का बहुत बड़ा योगदान है। पिछले कुछ वर्षों में एमएसएमई क्षेत्र ने तकनीक, डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण और सप्लाई चेन के मोर्चे पर खुद को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बना लिया है। आज के देशी उत्पाद न केवल उच्च स्तर पर टिकाऊ हैं, बल्कि आधुनिक उपभोक्ता की पसंद, सौंदर्यबोध और उपयोगिता पर भी पूरी तरह खरे उतर रहे हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से, जब कोई भी नागरिक किसी विदेशी कंपनी के बजाय स्थानीय उत्पाद खरीदता है, तो उसकी गाढ़ी कमाई का सीधा लाभ किसी विदेशी बाजार में जाने के बजाय भारत की जड़ों में बसे छोटे कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों, हस्तशिल्पियों और महिला स्वयं सहायता समूहों तक पहुंचता है। इससे धन का न्यायसंगत पुनर्वितरण होता है और ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी अर्थव्यवस्थाएं भीतर से मजबूत होती हैं।

निश्चित रूप से, पिछले एक दशक में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने दूरदर्शी अभियानों के जरिए ग्रामीण शिल्पकारों को निरंतर सशक्त बनाया है। ग्रामोद्योग विकास योजना और कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत देशभर में हजारों कुम्हारों को आधुनिक इलेक्ट्रिक चाक और उन्नत टूलकिट वितरित किए गए हैं, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता में 3 से 4 गुना की भारी वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवीआईसी ने 1.70 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया था, जो बढकर 2025-26 में 1.87 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को भी पार कर गया। आयोग ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए 2.51 लाख करोड़ रुपए के विशाल कारोबार का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। वर्ष 2014-15 से 2025-26 के बीच खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों के कुल उत्पादन में लगभग 320 प्रतिशत और बिक्री में 400 प्रतिशत से अधिक की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। स्थानीय उत्पादों का यह प्रोत्साहन केवल मिट्टी के पारंपरिक दीयों या हस्तशिल्प तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भी इसने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ग्वालियर के सिविल अस्पताल में डॉक्टर पर नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोप

ग्वालियर। शहर के हजीरा स्थित सिविल अस्पताल में एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां इलाज कराने पहुंची 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर द्वारा कथित तौर पर छेड़छाड़ किए जाने का आरोप लगा है। किशोरी उस समय सीने में तेज दर्द और घबराहट की शिकायत के चलते अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती थी। आरोप है कि इलाज के दौरान डॉक्टर ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। किशोरी ने जब इसका विरोध किया तो उसे जान से मारने तक की धमकी दी गई। घटना के बाद किशोरी ने अपने स्वजन को पूरी बात बताई। इसके बाद परिजन उसे लेकर ग्वालियर थाने पहुंचे और आरोपी डॉक्टर सुरेंद्र शाक्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने डॉक्टर के विरुद्ध छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। नाबालिग से जुड़ा मामला होने के कारण पुलिस इसकी गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 17 वर्षीय किशोरी हजीरा क्षेत्र के आरा मिल स्थित एसबीआई शाखा के पास रहती है। बीती रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे घबराहट होने के साथ सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। रात करीब एक बजे जब उसकी परेशानी बढ़ने लगी तो स्वजन बिना देर किए उसे हजीरा स्थित सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों ने किशोरी को अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। उसे कक्ष क्रमांक 22 में रखा गया था, जहां उसका इलाज किया जा रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि अस्पताल में उसे उचित उपचार और सुरक्षा मिलेगी, लेकिन इसी दौरान डॉक्टर पर गंभीर हरकत करने का आरोप लगा। किशोरी की शिकायत के मुताबिक, अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सुरेंद्र शाक्य ने इलाज के दौरान कथित तौर पर उसके साथ अश्लील छेड़छाड़ की। किशोरी ने इस व्यवहार का विरोध किया, लेकिन आरोप है कि डॉक्टर ने उसे डराने की कोशिश की और जान से मारने की धमकी तक दे डाली।

ग्वालियर में मिला ऑनलाइन गेमिंग ठगी का अड्डा, मुंबई से ऑपरेट हो रहा था नेटवर्क

ग्वालियर। शहर में ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर देशभर के लोगों से ठगी करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गिरोह ने बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में किराये का फ्लैट लेकर बाकायदा कॉल सेंटर की तरह ठगी का नेटवर्क संचालित कर रखा था। पुलिस ने सूचना के आधार पर यहां छापा मारा और मौके से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी लोटस-247 नाम की ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनसे रकम ऐंठ रहे थे। पुलिस की जांच में इस पूरे नेटवर्क के तार महाराष्ट्र से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि गिरोह का मुख्य संचालक हैंड्रिक्स महाराष्ट्र में बैठकर पूरे नेटवर्क को नियंत्रित कर रहा था। वह लंदन के मोबाइल नंबर के माध्यम से आरोपियों के संपर्क में रहता था और उन्हें निर्देश देता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क से देश के कितने लोग प्रभावित हुए हैं और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बहोड़ापुर के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में एक फ्लैट किराये पर लिया था। बाहर से यह सामान्य आवासीय फ्लैट दिखाई देता था, लेकिन अंदर से इसका इस्तेमाल ऑनलाइन गेमिंग के जरिए ठगी करने के लिए किया जा रहा था। यहां बैठकर आरोपी वेबसाइट के माध्यम से लोगों से संपर्क करते और उन्हें गेमिंग के नाम पर रकम लगाने के लिए प्रेरित करते थे। पुलिस को इस गतिविधि की जानकारी मिलने के बाद टीम ने फ्लैट पर दबिश दी। छापे के दौरान दो युवक मिले, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जांच में लोटस-247 वेबसाइट के जरिए ठगी किए जाने की बात सामने आई। पुलिस आरोपियों से यह जानने का प्रयास कर रही है कि वे लोगों को किस तरह अपने जाल में फंसाते थे और ठगी की रकम किस माध्यम से हासिल करते थे। जांच में इस नेटवर्क के आर्थिक लेनदेन को लेकर भी अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती पड़ताल के अनुसार, गिरोह के माध्यम से रोजाना करीब पांच से छह लाख रुपये का लेनदेन हो रहा था। ठगी से हासिल की गई रकम को आरोपी अपने पास रखने के बजाय अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर देते थे। इस तरीके से रकम को कई खातों के माध्यम से आगे भेजा जाता था। इन खातों का इस्तेमाल किन लोगों द्वारा किया जा रहा था।

'संगम' अभियान के अंतर्गत नागरिकों का सम्मान एवं जागरूकता कार्यक्रम

बड़ों का सम्मान करना हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी : डॉ.अवधेश प्रताप

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



वरिष्ठ नागरिक हमारे परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, जीवन मूल्य और संस्कार नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का आधार हैं। उनका सम्मान करना, उनकी देखभाल करना और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना हमारी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। यह विचार मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष माननीय डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने व्यक्त किए। वे माधौगंज स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रभु उपहार भवन में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के समाज सेवा प्रभाग, राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के समझौते के तहत राष्ट्रव्यापी अभियान 'संगम - गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, केंद्र प्रमुख बीके आदर्श दीदी, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अजय सिंह यादव, आयोग मित्र डॉ. दीपक शर्मा, विनय अग्रवाल, यशपाल सिंह बैस, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके ज्योति तथा प्रेरक वक्ता बीके प्रहलाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बीके ज्योति बहन ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर बीके प्रहलाद ने अभियान के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा, अधिकारों और कल्याण के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना विकसित करना तथा नई पीढ़ी को उनके प्रति अपने दायित्वों का बोध कराना है। उन्होंने कहा कि पहले संयुक्त परिवारों की परंपरा थी, जहां बुजुर्ग परिवार के बीच सम्मान और अपनत्व के साथ जीवन व्यतीत करते थे। लेकिन वर्तमान में एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें परिवार और आध्यात्मिकता से जोड़कर मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है। साथ ही साइबर धोखाधड़ी से बचाव, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों तथा संयुक्त परिवार के महत्व के प्रति भी जागरूकता लाना इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में एकल परिवारों का चलन बढ़ने से परिवारों में आपसी संवाद और संस्कारों की कमी देखने को मिल रही है।

सीएम हेल्पलाइन निपटाने का अजीब खेल, अवैध कॉलोनी छोड़ वैध प्लाट पर की गई तोड़फोड़



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मुख्यमंत्री के नाम की सीएम हेल्पलाइन के निपटारे के लिए राजस्व हो या नगर निगम सब खेल खेलने में लगे हैं। शिकायत का हल होना चाहिए भले ही मौके पर कुछ हो या न हो। पुरानी छावनी क्षेत्र में ही एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें अवैध कालोनियों को लेकर सात शिकायतें थीं जिनका निराकरण करना था लेकिन शिकायतकर्ता जब ग्वालियर जिले में नहीं था तो एक वैध प्लाट के सरिए टेढ़े करके फोटो खींच लिया और प्लाट मालिक से माफी भी मांग ली। इस तरह सीएम हेल्पलाइन में दिखाने के लिए कार्रवाई हो गई और अवैध कॉलोनी जहां कार्रवाई असल में होना थी वह भी बच गई। स्टार सिटी नाम से काटी गई अवैध कॉलोनी

पुरानी छावनी में देवनगर अवैध कॉलोनी के सामने स्टार सिटी नाम से अवैध कॉलोनी काटी गई जिसको लेकर शिकायतें थीं और पटवारी मुकेश तोमर व निगम ने राहुल परमार नाम के व्यक्ति का वैध प्लाट दिखाकर उस पर कार्रवाई कर दी।जानकारी के अनुसार पुरानी छावनी इलाके के हीरा नगर क्षेत्र में देवनगर नाम से अवैध कालोनी बताई जाती है जिसके सामने स्टार सिटी नाम की अवैध कॉलोनी पहले से बस गई है। इसी स्टार सिटी कॉलोनी का एक फेज बस चुका है और अब छह बीघा में और कॉलोनी काटी जा रही है।

स्टार सिटी व आसपास कॉलोनियों को लेकर लगातार शिकायतें हुई हैं और हाल ही में सात सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें हुई जिनको लेकर राजस्व अमले और नगर निगम को कार्रवाई करना थी। पटवारी ने भूखंड मालिक से स्वीकारी गलती 14 नवंबर को राजस्व और निगम अमले ने कार्रवाई दिखाने के लिए उसी इलाके में अलग जगह बने राहुल परमार के प्लाट पर जाकर सरिए टेढ़े करवा दिए। खुद अधिकारी भी मौके पर पहुंचे या नहीं यह भी नहीं पता। राहुल परमार के पास नामांतरण से लेकर स्वीकृति सब दस्तावेज हैं और बाद में राहुल के पास फोन आया कि वो आपके प्लाट पर गलती से कार्रवाई हो गई है।

पुराने कचरे के पहाड़ों में तेजी से फैली आग

ग्वालियर की केदारपुर लैंडफिल साइट पर कचरे के पहाड़ों में लगी भीषण आग, देर रात तक धधकती रहीं लपटें

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

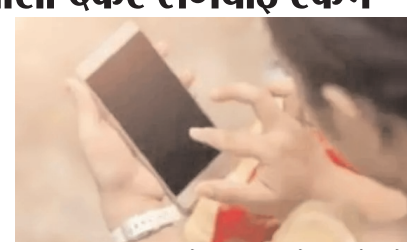


शहर के शिवपुरी लिंक रोड स्थित केदारपुर लैंडफिल साइट पर रविवार शाम अचानक भीषण आग लग गई। नगर निगम की इस लैंडफिल साइट पर जमा पुराने कचरे के पहाड़ों (लेगेसी वेस्ट) में आग लगने के बाद देखते ही देखते लपटें फैल गईं। सूखे कचरे के बड़े-बड़े ढेर आग की चपेट में आ गए और पूरे इलाके में धुआं उठने लगा। आग की ऊंची लपटें देखकर लैंडफिल साइट पर मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। स्टाफ ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, कचरे के बड़े-बड़े ढेरों में आग फैलने के कारण दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देर रात तक कचरा धू-धू कर जलता रहा और आग पर पूरी तरह काबू पाने के प्रयास जारी रहे। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम केदारपुर स्थित नगर निगम की लैंडफिल साइट पर पुराने कचरे के ढेरों में अचानक आग लग गई। यहां लंबे समय से जमा लेगेसी वेस्ट के बड़े-बड़े पहाड़ बने हुए हैं। कचरा सूखा होने के कारण आग ने तेजी से फैलना शुरू कर दिया। शुरुआत में आग एक हिस्से में दिखाई दी, लेकिन कुछ ही देर में इसकी लपटें आसपास जमा कचरे तक पहुंच गईं। देखते ही देखते आग ने बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

लैंडफिल साइट पर मौजूद कर्मचारियों की नजर जब कचरे के ढेरों से उठती आग की लपटों पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड को फोन कर दमकल वाहन भेजने का आग्रह किया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया।

फेसबुक पर दोस्ती कर युवक से 2 लाख रुपए की ठगी शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर लगवाई रकम

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर में फेसबुक पर दोस्ती के बाद ऑनलाइन निवेश का झांसा देकर एक युवक से करीब 2 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। युवक की पहचान 'अपूर्वा रेड्डी' नाम की आईडी से हुई थी। चैटिंग और मोबाइल पर बातचीत के जरिए भरोसा जीतने के बाद उसे घर बैठे शेयर मार्केट में निवेश कर कमाई का ऑफर दिया गया। शुरुआत में वेबसाइट पर मुनाफा और कमीशन दिखा तो युवक ने अपनी एफडी तुड़वाकर रकम निवेश कर दी। लेकिन जब पैसे निकालने की कोशिश की तो ट्रांजेक्शन फेल होने लगे। फेसबुक पर मैसेज करने और फोन लगाने पर भी जवाब नहीं मिला। पड़ाव थाना क्षेत्र के झंडाधारी हनुमान मंदिर के पास रहने वाले देवेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि कुछ महीने पहले फेसबुक पर उनकी दोस्ती 'अपूर्वा रेड्डी' नाम की आईडी वाली लड़की से हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच ऑनलाइन चैटिंग हुई। धीरे-धीरे बातचीत बढ़ी तो मोबाइल पर भी बात होने लगी। देवेंद्र का अपूर्वा पर भरोसा बढ़ा तो उसने ऑनलाइन कमाई का ऑफर दिया। अपूर्वा ने बताया कि शेयर मार्केट में निवेश करके घर बैठे अच्छी कमाई की जा सकती है। इसके बाद उसने देवेंद्र को एक वेबसाइट का लिंक भेजा। देवेंद्र ने वेबसाइट पर अपनी आईडी बनाई और शुरुआत में छोटी रकम निवेश की। वेबसाइट पर उन्हें मुनाफा और कमीशन जुड़ता हुआ दिखाई दिया। इससे उन्हें लगा कि निवेश की यह स्कीम सही है। ज्यादा कमाई के लालच में उन्होंने अपनी एफडी तुड़वा ली और रकम वेबसाइट पर निवेश करते चले गए। कुल मिलाकर करीब 2 लाख रुपए लगा दिए। पैसे निकालने की कोशिश की तो ट्रांजेक्शन फेल वेबसाइट के वॉलेट में अच्छी-खासी रकम दिखने के बाद देवेंद्र ने पैसे निकालने की कोशिश की, लेकिन ट्रांजेक्शन फेल होने लगे।

जैविक हमलों से मुकाबले में देश की ताकत बनेगा ग्वालियर, डीआरडीई परिसर में तैयार हो रही बीएसएल-4 लैब

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



देश की जैविक सुरक्षा और रक्षा अनुसंधान को नई ताकत देने वाली अत्याधुनिक बीएसएल-4 (बायो सेफ्टी लेवल-4) प्रयोगशाला ग्वालियर में विकसित की जा रही है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई) के महाराजपुरा डांग परिसर में बनने वाली यह प्रयोगशाला देश की दूसरी बीएसएल-4 सुविधा और रक्षा मंत्रालय के अधीन पहली ऐसी प्रयोगशाला होगी।

यहां खतरनाक वायरस और उच्च जोखिम वाले रोगजनकों पर सुरक्षित वातावरण में शोध किया जा सकेगा। इससे जैविक हमलों से निपटने की देश की क्षमता मजबूत होगी और रक्षा क्षेत्र के लिए नई तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी। राष्ट्रपति ने 15 नवंबर 2022 को किया था शिलान्यास

इस प्रयोगशाला का शिलान्यास 15 नवंबर 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वर्चुअल माध्यम से किया था। इसके बाद 11 नवंबर 2024 को डीआरडीओ के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने महाराजपुरा परिसर में इसके निर्माण की शुरुआत के लिए भूमिपूजन किया। इसी अवसर पर परिसर में बायो-डिटेक्टर टेस्ट एंड इवैल्यूएशन भवन का उद्घाटन भी किया गया था। बीएसएल-4 प्रयोगशाला में अत्याधुनिक जैव सुरक्षा तकनीक और उपकरणों के माध्यम से उच्च जोखिम वाले सूक्ष्मजीवों पर अनुसंधान की सुविधा विकसित की जा रही है। खतरनाक वायरस पर शोध और जैविक खतरों की पहचान बीएसएल-4 देश में जैव सुरक्षा का सर्वोच्च स्तर है। इस श्रेणी की प्रयोगशालाओं में ऐसे खतरनाक रोगजनकों पर शोध किया जाता है, जिनसे गंभीर संक्रमण का खतरा होता है। यहां वैज्ञानिक विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच अनुसंधान कर सकेंगे।

शीतला माता मंदिर हादसे को कल पूरा होगा एक माह, अभी भी मजिस्ट्रियल जांच में अटके असली गुनहगार

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



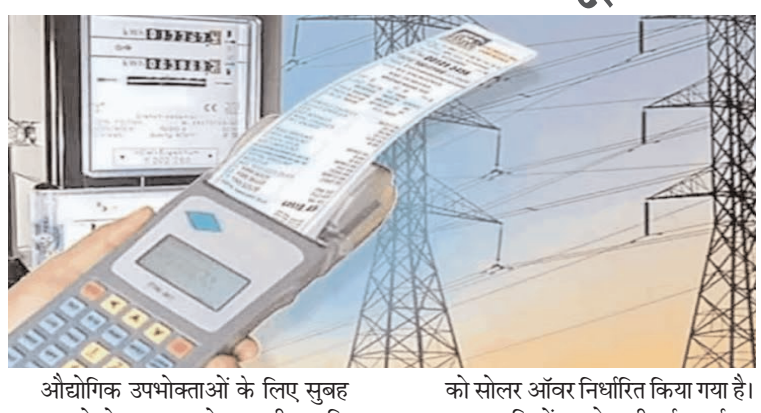
17 अक्टूबर की रात शीतला माता मंदिर के गेट पर एक बेकाबू ट्रक ने श्रद्धालुओं को रौंद दिया था जिसमें 16 की मौत हो गई थी और 42 लोग घायल हो गए थे। इतना बड़ा हादसा भरे मेले के बीच कैसे हो गया अभी इसका जवाब जांच में अटका हुआ है। हादसे की वजह क्या थी और प्रशासन या पुलिस के कौन कौन अधिकारी कर्मचारी सीधे तौर पर दोषी हैं यह सामने आना बाकी है।

मजिस्ट्रियल जांच एडीएम सीबी प्रसाद कर रहे हैं एक माह से इस मामले में मजिस्ट्रियल जांच एडीएम सीबी प्रसाद कर रहे हैं लेकिन अभी जांच पूरी होना शेष है। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने इस मामले में जांच के आदेश दिए थे जिसके बाद कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश पर मजिस्ट्रियल जांच शुरू की गई। इस मामले में 40 से ज्यादा अधिकारियों के बयान हो चुके हैं जिनमें सीएसपी, सीएमएचओ, डीएसपी ट्रैफिक से लेकर एसडीएम लश्कर तक शामिल हैं। सीसीटीवी फुटेज की जांच भी जारी है सीसीटीवी फुटेज की जांच भी जारी है। इस हादसे ने प्रदेशभर में हडकंप मचा दिया था जिसके बाद वाहनों की फिटनेस जांच के आदेश भी आरटीओ स्तर के अधिकारियों को दिए गए। हादसे में 16 लोगों की हुई थी मौत बता दें कि शीतला माता मंदिर हादसे में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी, चीनोर रोड से आ रहे ट्रक ने शीतला माता मंदिर गेट पर लोगों को रौंद दिया था। वहीं इस हादसे में 42 लोग घायल हो गए थे। कई लोगों को एयरलिफ्ट कर भोपाल इलाज के लिए भेजा गया। सीएम ने इस मामले में जांच के आदेश कर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया था। पुलिस से पूरा रिकॉर्ड लिया गया है जांच में मजिस्ट्रियल जांच के तहत पुलिस से पूरा रिकॉर्ड लिया गया है जिसमें डयूटी आदेश से लेकर जो जो पुलिसवाले डयूटी पर थे उन सभी के नाम मंगवाए गए।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर में 20 प्रतिशत छूट का लाभ

अशोकनगर के 8 हजार 584 उपभोक्ताओं को अक्टूबर माह में 7 लाख 74 हजार की छूट

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में अक्टूबर 2026 के दौरान अशोकनगर के कुल 8 हजार 584 उपभोक्ताओं को 7 लाख 74 हजार रुपए की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट एवं निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि को सोलर ऑवर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उपभोग की गई ऊर्जा पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें तथा स्मार्ट मीटर के उपयोग से होने वाले लाभों का अधिक से अधिक फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से सटीक रीडिंग, पारदर्शी बिलिंग एवं ऊर्जा खपत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो रही है। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को बिजली की खपत को ट्रैक करने, ऊर्जा बचत करने तथा मोबाइल एप के माध्यम से कहीं से भी अपनी खपत की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। यह प्रणाली ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध हो रही है। स्मार्ट मीटर के फायदे ऊर्जा की खपत को ट्रैक कर नियंत्रित करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती।

न्यूजीलैंड टेस्ट के लिए तेज गेंदबाज बरार को मौका

- कुलदीप बाहर, पंत भी टीम से जुड़े, 19 नवंबर से पहला टेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वे अब भारत में घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार को टीम में बदलाव की जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टीम से जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे,



जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे।

गुरनूर बरार न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं।

गुरनूर इस साल वनडे में भारत के टॉप विकेटटेकर

गुरनूर इस साल वनडे में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2026 में अब तक 13 मैचों में 23 विकेट लिए हैं। उनका इंटरनेशनल डेब्यू इसी साल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में हुआ था। गुरनूर ने अभी तक टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू नहीं किया है।

गुरनूर पांचवां वनडे नहीं खेलेंगे- गुरनूर अब टेस्ट टीम के साथ जुड़ेंगे। इस वजह से वे न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वां वनडे नहीं खेल सकेंगे। उनकी जगह वनडे टीम में किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया है।

तेलंगाना की अंडर-19 क्रिकेटर ने किया सुसाइड

रिश्तेदार के घर लगाई फांसी, मां का दो युवकों पर परेशान करने का आरोप

नईदिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में चुनी गई 17 साल की क्रिकेटर नंदिनी ने सुसाइड कर लिया है। वे यहां अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई और क्रिकेट की तैयारी कर रही थीं। इस घटना के विरोध में उनके रिश्तेदारों ने प्रदर्शन किया।



घटना शुक्रवार की है। परिजन का आरोप है कि इलाके में रहने वाला युवक अनिल प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा करता था। अनिल का दोस्त कृष्णा उसका साथ देता था।

हाल ही में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में सिलेक्शन हुआ था

नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के यलाल मंडल के संगयापल्ली गांव की रहने वाली थीं। हाल ही में उनका सिलेक्शन बीसीसीआई अंडर-19 टीम में हुआ था। नंदिनी की मौत के बाद परिजन ने सड़क पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों युवकों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद नंदिनी का शव परिवार को सौंप दिया गया।



वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

- टी20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बने; बनाया विश्व रिकॉर्ड
- 15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कमान

इंदौर (एजेंसी)। भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन आज से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है।

बिहार-सौराष्ट्र मैच में बना सूर्यवंशी का रिकॉर्ड- इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए।

इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कप्तानी की थी।

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हराया- सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हरा दिया। बिहार की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही



बना सकी। सूर्यवंशी ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए। सौराष्ट्र ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हराया- चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान क्रुणाल पंड्या 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवालिक शर्मा ने 45 रन की पारी खेली।चंडीगढ़ की ओर से भगमेंदर लाथर ने 2 विकेट लिए। संदीप शर्मा, चिरागवीर धिंडसा और शिवम भांबरी को 1-1 विकेट मिला।

38 टीमें खेलेंगी घरेलू टी-20 टूर्नामेंट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शुरू हो गई है। इसमें 38 टीमें हिस्सा ले रही है। 32 टीमें एलीट और 6 टीमें प्लेट डिवीजन में खेलेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार की कप्तानी करेंगे। सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी खेलेंगे। पिछली बार की चैंपियन झारखंड खिताब बचाने उतरेगी।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं।

- **38 टीमें दो डिवीजन में खेलेंगी-** सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। इसे बृष्टष्ठ आयोजित करता है। इसमें रणजी ट्रॉफी खेलने वाली टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार 38 टीमों को दो डिवीजन में बांटा गया है।एलीट डिवीजन में 32 टीमें होंगी। इन्हें चार ग्रुप में रखा गया है और हर ग्रुप में 8 टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी 7 टीमों से खेलेगी। चारों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें सुपर लीग में पहुंचेंगी।सुपर लीग में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम 3 मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव की धमाकेदार वापसी

21 गेंदों में ठोके दिये 60 रन



मुंबई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में मुंबई की कप्तानी करते हुए सूर्या ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी और मुशीर खान के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 173 रनों का लक्ष्य महज 13.1 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया।

सिर्फ 15 गेंदों में जड़ दी फिफ्टी

सूर्यकुमार यादव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके टी20 करियर की 66वीं फिफ्टी रही। सूर्या ने 21 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबई के पक्ष में कर दिया।

6 महीने बाद टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार की वापसी

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने करीब छह महीने बाद प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के पहले मुकाबले में मुंबई की कप्तानी की। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। उनकी पारी ने मुंबई की जीत को बेहद आसान बना दिया।

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया; सीजन के दूसरे खिताब से एक जीत दूर

कुमामोटो (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा।



पहला और तीसरा गेम जीतकर फाइनल में पहुंचे- लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

हाइलो ओपन जीतकर खत्म किया था खिताब का सूखा- जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था।

पांच मैचों की वनडे सीरीज का फाइनल आज

आज स्विंग लेती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की असली परीक्षा

माउंट मोनगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम अब आखिरी मुकाबले में सम्मान बचाने और सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। माउंट मोनगानुई में रविवार को होने वाले पांचवें और निर्णायक वनडे में भारतीय बल्लेबाजों के सामने स्विंग और सीम लेती गेंदों की बड़ी चुनौती होगी।

भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा- भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज पिछले मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी के सामने पूरी तरह नाकाम रहे थे। मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन



विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। ऐसे में टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की होगी।

89 रन पर सिमटी थी टीम इंडिया, झेलनी पड़ी बड़ी हार- चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई थी। यह वनडे क्रिकेट में भारत की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार थी। न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 244 रन से जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर पर रहेंगी निगाहें- पांच मैचों की इस सीरीज में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर अब तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। चौथे वनडे में रोहित मैट हेनरी की शानदार गेंद पर चकमा खाकर स्लिप में कैच दे बैठे। वहीं श्रेयस अय्यर तेज गति से अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए।

पावरप्ले में न्यूजीलैंड ने मारी बाजी, भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर

चौथे वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन कर दिया था। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर वैसा दबाव नहीं बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हो गई थीं।

न्यूजीलैंड की नजर सीरीज बराबर करने पर

चौथे वनडे में बड़ी जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। टीम के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई, जबकि विल यंग ने दो बार कैच छूटने के बाद शानदार शतक जड़ा। न्यूजीलैंड की कोशिश पांचवां वनडे जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने की होगी। टीम पिछले सात वर्षों से अपनी घरेलू धरती पर कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं हारी है और इस रिकॉर्ड को बरकरार रखना चाहेगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पांचवां और अंतिम वनडे मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मैच सुबह 7:30 बजे शुरू होगा। भारत सीरीज में 2-1 से आगे है और उसके पास सीरीज जीतने का मौका है, जबकि न्यूजीलैंड की नजर मुकाबला जीतकर सीरीज बराबर करने पर होगी।

वसीम अकरम ने पैट कमिंस के दावे पर उठाए सवाल, बोले-

सैंडपेपर के निशान खरोंच से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के केपटाउन टेस्ट से जुड़ा सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। उस्मान ख्वाजा के बयान के बाद इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। अकरम का कहना है कि एक अनुभवी गेंदबाज गेंद पर सैंडपेपर से किए गए बदलाव को तुरंत पहचान सकता है।





सैंडपेपर विवाद पर वसीम अकरम ने दी प्रतिक्रिया- पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एक बार फिर सुर्खियों में आए सैंडपेपर विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2018 के केपटाउन टेस्ट में गेंदबाजी इकाई का अहम हिस्सा रहे पैट कमिंस को गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी कैसे नहीं हो सकती थी।

दीप्ति दूसरी बार आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 मैच में 155 रन बनाए, 7 विकेट भी लिए

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अक्टूबर के लिए बृष्टष्ठ विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है।

29 साल की दीप्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 इंटरनेशनल मैच में 155 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे समेत सभी 6 मुकाबले जीते।

दीप्ति ने इस पुरस्कार की दौड़ में बांग्लादेश की सोभना मोस्तारी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। यह उनके करियर का दूसरा आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में यह सम्मान मिला था।दीप्ति शर्मा टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला हैं।

19 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संभाली पारी- जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज की शुरुआत रायपुर में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल से हुई। इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 19 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में दीप्ति ने तेजी से 49 रन बनाए।टी-20 सीरीज में दीप्ति ने कुल 2 विकेट भी लिए। भारत ने तीन मैचों की यह सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

- **वनडे के दूसरे मैच में शतक और 3 विकेट-** दीप्ति ने पहले वनडे में 2 विकेट लिए। इसके बाद वडोदरा में दीप्ति छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं। उन्होंने 86 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके शामिल थे।यह दीप्ति का वनडे क्रिकेट में दूसरा शतक था। उनका पहला वनडे शतक मई 2017 में आयरलैंड के खिलाफ आया था, जब उन्होंने 188 रन बनाए थे। दीप्ति ने इसी मैच में 32 रन देकर 3 विकेट भी लिए।



सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पूर्व क्षेत्र कंपनी की बड़ी उपलब्धि 168 मेगावाट के पार पहुंची रूफटॉप सोलर क्षमता

54 हजार से अधिक परिसरों में सोलर संयंत्र स्थापित, उपभोक्ताओं को 322 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी क्षेत्र में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की कुल स्थापित क्षमता 168 मेगावाट के पार पहुंच गई है। अब तक 54,036 परिसरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें 46 हजार से अधिक उपभोक्ता अपने घरों की छतों पर सौर ऊर्जा का उत्पादन कर न केवल बिजली बिल में बचत कर रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघरः मुफ्त बिजली योजना ने इस अभियान को नई गति प्रदान की है। योजना के अंतर्गत अब तक 41,475 उपभोक्ताओं को केंद्र शासन की ओर से 322 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त अन्य योजनाओं के माध्यम से भी कंपनी क्षेत्र के विभिन्न परिसरों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों में सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। पात्र घरेलू उपभोक्ता योजना के तहत 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सौर ऊर्जा स्थापना में जबलपुर जिला सबसे आगे रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना में जबलपुर जिला कंपनी क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है। प्रधानमंत्री सूर्यघरः मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जबलपुर महानगर में लगभग 12,060 तथा संपूर्ण जिले में 13,230 स्थानों पर सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनकी कुल स्थापित क्षमता 48 मेगावाट से अधिक है। जिलावार स्थापना की स्थिति देखें तो जबलपुर के बाद सागर में 4,700, रीवा में 4,000, सतना में 2,830, छतरपुर में 2,820, छिंदवाड़ा में 2,800, दमोह में 2,350, कटनी में 2,250, बालाघाट में 1,900 तथा टीकमगढ़ में 1,800 स्थानों पर सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। बिजली बिल में बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प कंपनी क्षेत्र में सौर ऊर्जा के प्रति उपभोक्ताओं का बढ़ता रुझान स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के अभियान को मजबूती प्रदान कर रहा है।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपने घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर प्रधानमंत्री सूर्यघरः मुफ्त बिजली योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की है।

जबलपुर से दमोह लौट रहे परिवार की कार का पीछा, महिला से छेड़छाड़; विरोध पर पति और परिजनों से मारपीट

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर से दमोह लौट रहे एक परिवार के साथ सोमवार तड़के रास्ते में मारपीट और महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि दमोह पासिंग स्विफ्ट कार में सवार कुछ युवकों ने तेजगढ़ से ही परिवार की कार का पीछा करना शुरू कर दिया था। रास्ते में आरोपियों ने अपनी कार कभी आगे तो कभी पीछे लगाकर परिवार को परेशान किया। इसके बाद आम चौपरा स्थित महाराजा पैलेस के पास बायपास पर परिवार की कार को रोक लिया। आरोप है कि इस दौरान एक युवक ने कार में सवार महिला का हाथ पकड़कर खींचा और उसके साथ छेड़छाड़ की। महिला के पति ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे अन्य परिजनों को भी नहीं बख्शा गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित परिवार ने जबलपुर नाका चौकी पहुंचकर शिकायत आवेदन दिया है। तेजगढ़ से ही परिवार की कार का करने लगे पीछा

जानकारी के अनुसार, पीड़ित दंपती अपने दो अन्य परिजनों के साथ कार से जबलपुर से दमोह लौट रहे थे। इसी दौरान तेजगढ़ के पास दमोह पासिंग स्विफ्ट कार में सवार कुछ लोग उनकी कार के पीछे लग गए। शुरुआत में परिवार को लगा कि यह सामान्य आवाजाही है, लेकिन कुछ दूर आगे बढ़ने के बाद कार सवारों की गतिविधियां संदिग्ध लगने लगीं। आरोपियों ने अपनी कार से परिवार के वाहन का लगातार पीछा किया। बताया जा रहा है कि वे कभी कार को आगे लगा देते तो कभी पीछे आकर रास्ता रोकने की कोशिश करते। इस तरह काफी देर तक परिवार को परेशान किया गया। महाराजा पैलेस के पास कार के आगे लगा दी गाड़ी सोमवार सुबह करीब 4 बजे जब परिवार आम चौपरा स्थित महाराजा पैलेस के पास बायपास पर पहुंचा, तभी पीछा कर रहे कार सवारों ने अपनी गाड़ी पीड़ित परिवार की कार के आगे लगा दी।

मदनमहल के पास एनएमटी की दीवार पर आरएसएस के खिलाफ लिखी गई टिप्पणी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मदनमहल के पास स्थित एनएमटी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी लिखे जाने का मामला सामने आया है। सोमवार सुबह एनएमटी के किनारे बनी दीवार पर आरएसएस के खिलाफ लिखी गई इबारत को देखकर इलाके में हलचल मच गई। सुबह से ही दीवार पर लिखे गए शब्दों को लेकर स्थानीय लोगों के बीच चर्चा होती रही। मामला पुलिस तक पहुंचा तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तत्काल नगर निगम को इसकी सूचना दी। इसके बाद निगम के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर दीवार पर लिखी टिप्पणी को पुताई कर छिपा दिया। सुबह दीवार पर दिखाई दी आपत्तिजनक इबारत जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह मदनमहल के पास एनएमटी के किनारे बनी दीवार पर आरएसएस के खिलाफ कुछ टिप्पणी लिखी हुई दिखाई दी। सुबह यहां से गुजरने वाले लोगों की नजर जब दीवार पर पड़ी तो इसकी चर्चा शुरू हो गई। देखते ही देखते यह जानकारी आसपास के क्षेत्र में फैल गई। दीवार पर लिखी गई टिप्पणी को लेकर लोगों ने आपत्ति जताई और इसकी जानकारी पुलिस तक पहुंचाई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दीवार का निरीक्षण किया। पुलिस ने वहां लिखे गए शब्दों की जानकारी जुटाई और मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम को सूचना दी। पुलिस की ओर से तत्काल कार्रवाई करते हुए दीवार पर लिखी सामग्री को हटाने के लिए निगम के अमले को बुलाया गया। नगर निगम ने सफेदा पोतकर छिपाई इबारत पुलिस से सूचना मिलने के बाद नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे।

नरसिंहपुर कार्यक्रम में जा रहा था मेहरा समाज का काफिला

राधेश्याम मेहरा के काफिले पर हमले को समाज ने बताया राजनीतिक साजिश, पुलिस से मांगा जवाब

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे मेहरा समाज के मुखिया राधेश्याम मेहरा के काफिले पर बेलखेड़ा के पास हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हथियारबंद लोगों ने अचानक काफिले को रोककर वाहनों में तोड़फोड़ की और वहां मौजूद लोगों के साथ विवाद किया। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। इस बीच समाज के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस राधेश्याम मेहरा को हरियाणा पासिंग वाहन में बैठाकर अपने साथ ले गई और इसके बाद उनका कोई पता नहीं चल रहा है। घटना से नाराज मेहरा समाज के लोग सोमवार को ज्ञापन लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से राधेश्याम मेहरा को तत्काल उनके सामने पेश करने और हमले में शामिल लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर नरसिंहपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मेहरा समाज के मुखिया राधेश्याम मेहरा अपने समर्थकों और समाज के अन्य पदाधिकारियों के साथ काफिले में जा रहे थे। इसी दौरान बेलखेड़ा के पास कुछ हथियारबंद लोगों ने उनके काफिले को निशाना बनाया। आरोप है कि हमलावरों ने वाहनों को रोककर तोड़फोड़ शुरू कर दी। अचानक हुए हमले से काफिले में शामिल लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हथियारबंद लोगों ने वाहनों में की तोड़फोड़

समाज के पदाधिकारियों का आरोप है कि हमले में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। हमलावरों ने काफिले में शामिल कारों को नुकसान पहुंचाया। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। काफिले में शामिल लोगों ने इस घटनाक्रम को लेकर विरोध जताया। समाज के लोगों का कहना है कि जिस तरह से रास्ते में काफिले को रोककर वाहनों में तोड़फोड़ की गई, उससे उनकी सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे गंभीर आरोप पुलिस की भूमिका को लेकर लगाए गए हैं। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि घटना के बाद पुलिस राधेश्याम मेहरा को हरियाणा पासिंग वाहन में बैठाकर अपने साथ ले गई। इसके बाद से समाज के लोगों को उनके संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। पदाधिकारियों ने सवाल उठाया कि आखिर राधेश्याम मेहरा को किस वजह से और कहां ले जाया गया है। समाज के लोगों की मांग है कि पुलिस उनकी मौजूदगी और स्थिति के बारे में तत्काल जानकारी दे।

घटना से नाराज मेहरा समाज के पदाधिकारी और अन्य लोग ज्ञापन लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों के सामने अपनी शिकायत और मांगें रखीं। समाज के लोगों ने कहा कि राधेश्याम मेहरा को तत्काल उनके सामने लाया जाए, ताकि उनकी स्थिति स्पष्ट हो सके।

एआई से समझ विकसित करेंगे विद्यार्थी, जबलपुर में नवमीं से 12वीं तक के लिए 20 घंटे का विशेष माड्यूल तैयार

जबलपुर। एआई की समझ विकसित करने के लिए नई शैक्षणिक पहल

इसी दिशा में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की समझ विकसित करने के लिए नई शैक्षणिक पहल की है। समाधान और रचनात्मक सोच को विकसित करने पर ध्यान विद्यार्थियों को एआई की कार्यप्रणाली समझाने के साथ उनकी तार्किक क्षमता, समस्या समाधान और रचनात्मक सोच को विकसित करने पर ध्यान दिया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए एनसीईआरटी ने यह माड्यूल तैयार किया है। प्रयोगों के माध्यम से तकनीक समझेंगे इसे आईआईटी मद्रास, आईआईटी जोधपुर और एनसीईआरटी के विशेषज्ञों ने मिलकर विकसित किया है। माड्यूल की खासियत यह है कि इसमें विद्यार्थियों को केवल एआई के सिद्धांतों की जानकारी नहीं दी जाएगी, बल्कि विभिन्न गतिविधियों और प्रयोगों के माध्यम से तकनीक को समझने का अवसर भी मिलेगा।

पुलिस की दबिश से मची भगदड़, भागने की कोशिश कर रहा 'लम्बू' 60 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



बरेला थाना क्षेत्र के बमबमपुरा में अवैध कच्ची शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान पंचम बैगा उर्फ लम्बू बैगा निवासी बमबमपुरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी शराब बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी के चलते वह बचकर नहीं निकल सका।

बरेला थाना प्रभारी संगीता सिंह ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि बमबमपुरा क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से कच्ची शराब बेचने की तैयारी में है। सूचना में बताए गए हुलिए के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई और संबंधित स्थान पर दबिश दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो एक युवक ग्राहक का इंतजार करता हुआ दिखाई दिया। चार प्लास्टिक के डिब्बों में रखी थी शराब

पुलिस के मुताबिक, मौके पर युवक बरामदे में सफेद रंग के चार प्लास्टिक के डिब्बे रखे हुए था। मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए से युवक का मिलान होने पर पुलिस टीम उसकी ओर बढ़ी। पुलिस को सामने देखकर युवक घबरा गया और वहां से भागने लगा।

निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने की सी.एम. हेल्प लाइन के कार्यों की समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का हो संतुष्टिपूर्ण निराकरणः निगमायुक्त

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शहर के नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने सी.एम. हेल्पलाइन के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों से जुड़ी समस्याओं का पूर्णतः संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाना सुनिश्चित हो। निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने विभागवार लंबित प्रकरणों की बारीकी से जानकारी लेते हुए कहा कि सी.एम. हेल्पलाइन शासन की अत्यंत संवेदनशील और प्राथमिकता वाली व्यवस्था है, जिसके माध्यम से सीधे नागरिकों की समस्याओं का समाधान होता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि आवेदकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनकी समस्या को समझें और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका प्रभावी समाधान करें। बैठक में निगमायुक्त ने कार्य के प्रति जवाबदेही तय करते हुए सख्त चेतावनी दी कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या हीलाहवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से अपने-अपने विभाग की शिकायतों की मॉनिटरिंग करने तथा एल-1 और एल-2 स्तर पर ही प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हीला हवाली करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। समीक्षा बैठक में सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त एवं विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर में देश की पहली रेड कार्पेट सड़क बदहाल, रंग उखड़ा

जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेड कार्पेट तकनीक से बदली सड़क निर्माण की तस्वीर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



अंकुश लगाकर सड़क हादसों को रोकना था उद्देश्य

इसका उद्देश्य अंधे मोड़ों और संवेदनशील हिस्सों में तेज रफ्तार पर अंकुश लगाकर सड़क हादसों को रोकना था। शुरुआती दौर में इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए थे। दावा -एक माह तक इस हिस्से में कोई हादसा नहीं हुआ एनएचएआई के अधिकारियों ने दावा किया था कि सड़क तैयार होने के बाद एक माह तक इस हिस्से में कोई हादसा नहीं हुआ। इस प्रयोग को देश के दूसरे हिस्सों में भी लागू करने की संभावना जताई गई थी, लेकिन अब इस अनूठी सड़क की पहचान ही मिटती जा रही है। कई हिस्सों में पूरी तरह फीका पड़ गया सड़क पर किया गया लाल रंग जगह-जगह से उखड़ चुका है और कई हिस्सों में पूरी तरह फीका पड़ गया है। सड़क की सतह भी खराब हो रही है और जगह-जगह गड्ढे नजर आने लगे हैं। ऐसे में जिस मार्ग को वाहन चालकों की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण का मॉडल बताया गया था, वहां अब रखरखाव की अनदेखी सवाल खड़े कर रही है। टोल पूरा, सुविधाएं अधूरी भोपाल मार्ग पर वाहन चालकों से भारी-भरकम टोल वसूला जा रहा है, लेकिन इसके बदले सड़क पर बेहतर सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। कई स्थानों पर सड़क में कटाव और गड्ढे हैं। निर्माण स्थलों पर न तो पर्याप्त बैरिकेडिंग की गई है और न ही दूर से वाहन चालकों को सतर्क करने वाले संकेतक लगाए गए हैं। इससे तेज गति से आने वाले वाहनों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है। गति बताने वाले उपकरण भी बंद रेड कार्पेट मार्ग के आसपास वाहन चालकों को गति सीमा की जानकारी देने और निर्धारित सीमा से अधिक गति होने पर सतर्क करने के लिए गति मापन उपकरण लगाए गए थे। इनमें से कई उपकरण बंद पड़े हैं और कुछ केवल दिखावे के लिए लगे नजर आते हैं। उपकरण के काम करने की जानकारी सामने आई फिलहाल एक ही उपकरण के काम करने की जानकारी सामने आ रही है। एनएचएआई ने इस मार्ग पर वाहनों की गति नियंत्रित रखने के लिए सीमा निर्धारित की है। इसके बावजूद गति मापन उपकरणों का बंद रहना निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। टोल वसूली में कोई रियायत नहीं ड्राइवरों का कहना है कि जब एनएचएआई टोल वसूली में कोई रियायत नहीं देती तो सड़क की मरम्मत, निर्माण स्थलों पर सुरक्षा और यातायात सुविधाओं के रखरखाव में लापरवाही क्यों बरती जा रही है। मॉडल सड़क को बेहतर स्थिति में नहीं रख पा रही देश में पहला प्रयोग करने वाली एजेंसी अपनी ही मॉडल सड़क को बेहतर स्थिति में नहीं रख पा रही है।

राज्यपाल जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव और नवाचार जरूरी: राज्यपाल मंगुभाई पटेल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जीवन की वास्तविक चुनौतियों के प्रभावी ढंग से समाधान के लिए व्यवहारिक अनुभव, तकनीकी दक्षता और नवाचार की क्षमता भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे शिक्षा और रोजगार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में ठोस प्रयास करें। शिक्षा की समग्रता, गुणवत्ता और रोजगार आधारित होने के साथ ही वर्तमान संदर्भों में प्रासंगिक हो। विद्यार्थियों को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाए। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करें। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के 62वे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। इस अवसर पर राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश



प्रताप सिंह भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का महान संकल्प है, जो भारत को एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ हर नागरिक के सम्मान और समृद्धि से जुड़ा है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने कर्म, चरित्र और नवाचार से विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान दें। राज्यपाल श्री पटेल ने विद्यार्थियों को कहा कि सरल और सफल जीवन जीने के लिए शिक्षा व संस्कार आचरण में दिखने चाहिए। व्यक्तिगत प्रगति के साथ माता-पिता, परिवार, गुरूजन एवं समाज और देश के कल्याण के लिये भी काम करना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विद्यार्थी हमेशा ध्यान रखें कि मशीनें काम को सरल बना सकती हैं, पर मानवीय संवेदना, विवेक और नैतिकता का स्थान कभी नहीं ले सकतीं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ संवाद की कला, टीम भावना, समझ और कठिन समय में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी गुणों का विकास करें। राज्यपाल श्री पटेल ने सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा रोपा। विश्वविद्यालय की स्मारिका का लोकार्पण किया। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा का सदुपयोग समाज और राष्ट्र के समावेशी विकास में करें। वे जिस भी क्षेत्र या व्यवसाय में जाएं वहां पर नैतिकता और मानवता को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रस्तुत करें।

स्वच्छता और वायु गुणवत्ता सुधारने निगम का विशेष अभियान जारी

सड़कों पर पानी का छिड़काव और बाजारों में रात्रिकालीन सफाई के साथ फागिंग भी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



शहर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, वायु गुणवत्ता में सुधार और नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सड़कों, फुटपाथों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के साथ पानी का छिड़काव, धुलाई और फागिंग कराई जा रही है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित वरिष्ठ अधिकारी अभियान की लगातार निगरानी कर रहे हैं। निगम के स्वास्थ्य विभाग का अमला सड़कों, गलियों, मोहल्लों और बाजार क्षेत्रों में सफाई कर निकलने वाले कचरे को अलग-अलग एकत्र कर निष्पादन स्थल तक पहुंचा रहा है। धूल-मिट्टी को नियंत्रित करने के लिए सफाई से पहले सड़कों, फुटपाथों और डिवाइडरों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

सफाई के बाद धुलाई के साथ रोड स्वीपिंग मशीनों से भी सड़कों की सफाई कराई जा रही है। रात्रिकालीन सफाई भी जारी है। निगम कर्मचारी दुकानदारों और नागरिकों को गीला-सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में रखने, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने और प्रतिबंधित पॉलीथिन व सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ स्पॉट फाइन भी किया जा रहा है। वहीं, डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए विभिन्न क्षेत्रों में फागिंग और कीटनाशक रसायनों का छिड़काव भी लगातार कराया जा रहा है।

गंदगी फैलाने वालों पर निगम की कार्रवाई 64 प्रकरणों में 14,500 रुपये का जुर्माना

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

शहर में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने, सीएंडडी वेस्ट डालने, खुले में शौच करने और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की। सोमवार को निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने जोन क्रमांक 13, 14, 15 और 16 में कार्रवाई करते हुए 64 प्रकरणों में कुल 14 हजार 500 रुपये का स्पॉट फाइन वसूला। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर की गई कार्रवाई में सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैलाने, थूकने, खुले में शौच करने और सिंगल यूज प्लास्टिक-पॉलीथिन का उपयोग करने वालों को दंडित किया गया। इसके अलावा निर्माण स्थलों पर ग्रीन नेट नहीं लगाने और सीएंडडी वेस्ट फैलाने वालों पर भी निगम की निगरानी जारी है। कार्रवाई के तहत जोन 13 में 4 प्रकरणों में 600 रुपये, जोन 14 में 31 प्रकरणों में 7,600 रुपये, जोन 15 में 21 प्रकरणों में 3,100 रुपये और जोन 16 में 8 प्रकरणों में 3,200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। निगम ने साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है।

महापौर मालती राय ने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जन्मोत्सव कार्यक्रमों का किया शुभारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के जन्मोत्सव के अवसर पर सोमवार को महापौर श्रीमती मालती राय ने पुष्पा नगर और शाजापुर में आयोजित कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। पुष्पा नगर स्थित सहस्त्रबाहु मंदिर में महापौर ने हवन-पूजन में शामिल होकर धर्मलाभ लिया। इसके बाद शाजापुर में आयोजित कार्यक्रम में पूजा-अर्चना और दीप प्रज्ज्वलित कर जन्मोत्सव समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। आयोजकों ने महापौर का सम्मान भी किया। पुष्पा नगर के कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी राजो मालवीय, हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एम.एल. राय, सुप्रभात चैकसे, वीरेन्द्र राय, गुंजन चैकसे और संध्या चैकसे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वहीं शाजापुर के कार्यक्रम में एम.एल. राय, वीरेन्द्र राय, कलचुरी समाज के स्थानीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पत्रकार सपना कुमारी के निधन पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित भदभदा चौराहे पर कल रविवार को सड़क दुर्घटना में पत्रकार सपना कुमारी के असामयिक निधन पर दुःख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि मेरी संवेदनाएं सपना कुमारी और उनके शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए गए हैं।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत को अपने श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उल्लेखनीय है कि माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा रहीं सपना कुमारी पत्रकारिता की पढ़ाई के बाद न्यूज चैनल के साथ जुड़ी थीं।

गाड़ी संख्या 05593 एक फेरा होगी संचालित

भोपाल मंडल होकर रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य चलेगी वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



छठ पूजा के पश्चात यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने तथा यात्रियों को सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 05593 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन एक फेरे के लिए किया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के सतना, कटनी, जबलपुर एवं भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहराव लेकर गंतव्य के लिए रवाना होगी। गाड़ी का संचालन एवं समय-सारणी : गाड़ी संख्या 05593 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन दिनांक 18 नवंबर 2026 को रक्सौल स्टेशन से शाम 19:10 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन 19 नवंबर 2026 को पश्चिम मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए 20 नवंबर 2026 को सुबह 05:30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। भोपाल मंडल के स्टेशन पर आगमन एवं प्रस्थान समय : इटारसी स्टेशन - 19 नवंबर 2026 को आगमन 17:40 बजे एवं प्रस्थान 17:50 बजे। ठहराव : यह स्पेशल ट्रेन रक्सौल से प्रस्थान कर बैरगनिया, सीतामढ़ी, रुन्नीसैदपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, सोनपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड एवं कल्याण स्टेशनों पर ठहराव लेकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इस वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन में कुल 18 एलएचबी कोच रहेंगे, जिनमें 12 द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान, 04 सामान्य श्रेणी, 01 एसएलआरडी तथा 01 जनरेटर कार कोच शामिल हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व ट्रेन की अद्यतन स्थिति एवं समय-सारणी की जानकारी रेलवे की अधिकृत पूछताछ सेवा एनटीईएस अथवा हेल्पलाइन नंबर 139 से प्राप्त कर लें। यह ट्रेन भोपाल मंडल के निर्धारित रेल मार्ग से होकर गुजरेगी। इससे मंडल के यात्रियों को भी आवागमन के लिए अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा। त्योहारी अवधि में नियमित ट्रेनों में बढ़ती प्रतीक्षा सूची और यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से यह व्यवस्था की गई है।

वैशाली नगर में पेयजल के 42 नमूनों की जांच

भोपाल। शहर में नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम द्वारा जलापूर्ति व्यवस्था की मैदानी स्तर पर निगरानी और पानी के नमूनों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने जलकार्य विभाग के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वैशाली नगर में जलप्रदाय व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर ही पानी के नमूनों का भौतिक परीक्षण कराया, जिसमें पेयजल स्वच्छ पाया गया। स्थानीय रहवासियों ने भी स्वच्छ पेयजल मिलने की पुष्टि की। निरीक्षण के दौरान मकान नंबर 129, 127, 118, 117, 115, 109, 100, 34, 33, 15 और 02 से कुल 11 नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किए गए। इससे पहले शनिवार को 15 और रविवार को 16 नमूने लिए गए थे। इस तरह वैशाली नगर से अब तक कुल 42 नमूने जांच के लिए भेजे जा चुके हैं। मौके पर किए गए परीक्षण में पानी में किसी तरह की दुर्गंध नहीं मिली और पर्याप्त मात्रा में रेजिडुअल क्लोरीन पाया गया। नियमित रूप से पानी के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराने के निर्देश दिए।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक हुई

जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए विभाग बनाएं प्राथमिकता आधारित कार्ययोजना : कलेक्टर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026-27' के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभाग अपनी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें तथा प्रमुख प्राथमिकता क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के लिए का कार्ययोजना तैयार करें ,जिसके उपरांत 7 अप्रैल से 30 जून तक इस अभियान का व्यापक संचालन किया जाएगा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिले के समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में अनिवार्य रूप से रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग व वाटर रिचार्ज संरचनाएं निर्मित करने तथा 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत पूर्ण एवं प्रगतिरत परियोजनाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समय -सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक हुई । बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी, अपर कलेक्टर श्री महेंद्र कवचे, समस्त एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। भोपाल की नहरों की स्वच्छता, अर्बन कैनाल मैनेजमेंट पर बल बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि भोपाल की समस्त नहरों की प्रभावी ढंग से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए एवं कचरा संग्रहण किया जाएं। उन्होंने अर्बन कैनाल मैनेजमेंट और स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सौंदर्यीकरण तथा स्थलों के निरंतर निरीक्षण (स्पॉट इंस्पेक्शन) पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि नगर निगम एवं जल संसाधन विभाग समन्वय स्थापित कर इन कार्यों को समयबद्ध सीमा में पूर्ण करें। कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के निर्देश 'कृषक कल्याण वर्ष' के अंतर्गत विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने मुख्य प्रदर्शन सूचकांक के आधार पर सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी, किसान कल्याण तथा मत्स्य पालन विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करें, ताकि जिले के कृषकों को योजनाओं का प्रत्यक्ष व शत-प्रतिशत लाभ मिल सके।

सतर्कता एवं तत्परता से संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने वाले भोपाल मंडल के चार रेलकर्मी संरक्षा अवार्ड से सम्मानित

मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने उत्कृष्ट संरक्षा कार्य के लिए रेलकर्मियों को प्रदान किए पुरस्कार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

रेल परिचालन के दौरान सतर्कता, सजगता एवं त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए संभावित रेल दुर्घटनाओं को रोकने तथा रेल परिचालन की संरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भोपाल मंडल के चार रेलकर्मियों को आज मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी द्वारा संरक्षा अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन रेलकर्मियों ने अपनी ड्यूटी के दौरान असामान्य परिस्थितियों को समय रहते पहचानकर तत्परता से आवश्यक कार्रवाई की, जिससे संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका। सम्मानित रेलकर्मियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट संरक्षा कार्यों का विवरण निम्नानुसार है :-1. सुश्री हर्षिता राय, कांटेवाला, सलामतपुर : दिनांक 07 अक्टूबर 2026 को प्रातः 05:30 बजे मालगाड़ी के इंजन संख्या 65149 को तैयार करते समय उन्होंने इंजन के ब्रेक एक्सल से तेल का रिसाव होते हुए देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना भोपाल मंडल नियंत्रण कक्ष को दी। इसके पश्चात कैरिज एवं वैगन विभाग द्वारा जांच करने पर संबंधित ब्रेक को व्हील बदलने के लिए कट किया गया। उनकी सतर्कता एवं समय पर सूचना से संभावित असामान्य घटना को टालने में मदद मिली।

2. श्री संजय उइके, लोको पायलट एवं श्री मुरारी दुबे, सहायक लोको पायलट, इटारसी : दिनांक 11 अक्टूबर 2026 को दोपहर 14:08 बजे गाड़ी संख्या 11408 के मोहासा स्टेशन पर खड़े होने के दौरान सहायक लोको पायलट श्री मुरारी दुबे ने लोको के अंडरगियर की जांच करते समय व्हील नंबर 7 एवं 8 के बीच टाई बार रॉड टूटी हुई पाई, जो सेफ्टी वायर से लटकी हुई थी। इसकी सूचना लोको पायलट श्री संजय उइके द्वारा तत्काल टीएलसी झांसी को दी गई। तत्परता से कार्रवाई करते हुए संबंधित लोको को फेल घोषित कराया गया, जिससे संभावित गंभीर दुर्घटना को टालने में सहायता मिली। 3. श्री भूर सिंह मीना, सहायक लोको पायलट, बीना : दिनांक 07 अक्टूबर 2026 को प्रातः 07:50 बजे गाड़ी संख्या 11072 में ड्यूटी के दौरान बरेठ स्टेशन पहुंचते समय उन्होंने ट्रैक्शन मोटर नंबर 04 से धुआं निकलते एवं जलने की गंध महसूस की। उन्होंने तत्काल संरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए ट्रेन को स्टेशन पर सुरक्षित रूप से रोक दिया तथा आइसोलेशन सहित अन्य आवश्यक कार्रवाई की। उनकी त्वरित कार्रवाई से संभावित भीषण आग एवं उससे होने वाले बड़े खतरे को टाल दिया गया। 4. श्री शिवम शराठे, पॉइंट्समैन-ए, इटारसी : दिनांक 07 अक्टूबर 2026 को शाम 16:00 से 24:00 बजे की शिफ्ट में ट्रैफिक गेट संख्या 225 (झुंझारपुर) पर ड्यूटी के दौरान मालगाड़ी के गुजरते समय उन्होंने एक वैगन के ब्रेक पाईप में आग लगी हुई देखी। उन्होंने तत्काल खतरे का संकेत प्रदर्शित कर ट्रेन को रुकवाया तथा आग बुझाने की कार्रवाई की। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचित किया। उनकी सतर्कता से संभावित गंभीर दुर्घटना को टालने में सफलता मिली। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री अमित सिंह, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक डॉ. प्रमोद पंडित जाधव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री रामेन्द्र पाण्डेय एवं सहायक मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरओ) श्री प्रतीक नाचनकर उपस्थित रहे।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अमित शर्मा द्वारा शॉप नं. 4 केशव कॉलोनी, भोज भवन के पास, मुरैना पिन कोड 476001 मप्र से प्रकाशित एवं भास्कर पब्लिकेशन एंड एलाइड प्रा.लि. बाराघाटा इंडस्ट्रियल एरिया, झांसी रोड ग्वालियर मप्र पिन कोड 474001 से मुद्रित
RNI- MPHIN/26/A8892 संपादक पंकज शर्मा मोबाइल 9926253853 समूह संपादक राजीव शुक्ल, संपर्क : 0755-4515227, ईमेल eksatbulletin@gmail.com